डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 19 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 28 दिसंबर 2024 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

बाघ के ताबड़तोड़ हमलों से दहला अपना प्रदेश

3 दिन में दूसरी मौत,लकड़ी बीनने गई महिला बनी शिकार

भोपाल। वन्यप्राणी और मानव द्वंद कम होने का नाम नही ले रहा है। तीन दिन में यह बाघ के हमले से मौत की दूसरी घटना है। इस बार जंगल में लकड़ी लेने गई महिला बाघ का शिकार बन गई। उमरिया वन मण्डल अंतर्गत पाली उप वन मण्डल के घुनघुटी रेंज में जंगल मे लकड़ी लेने गई 49 वर्षीय महिला की मौत हो गई। पाली एसडीओ वन दिगेन्द्र सिंह ने बताया कि ग्राम अमिलिहा की रहने वाली 10 से 12 महिलाएं जंगल मे लकड़ी बीनने गई थी। उसी दौरान एक महिला पीछे रह गई और बाघ ने उस पर हमला

कर दिया, जिस पर वह चिल्लाने लगी। जब तक उसकी साथी महिलाएं वहां पहुंचती तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। एसडीओ ने बताया कि वन विभाग को सूचना मिलते ही हम लोग मौके पर पहुंच गए और देखे। घटना स्थल कक्ष क्रमांक आरएफ 239 मदारी ढाबा के पास का है और रेंज घुनघुटी है। वहीं, मृतका की शिनाख्त ग्राम अमिलिहा निवासी बचनी बाई पति ठाकुरदीन उम्र 49 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस को सूचना देकर मर्ग कार्रवाई करवाई गई है। साथ ही वन विभाग के नियमानुसार क्षति पूर्ति राशि भी परिजन को दी जाएगी। वहीं, उस क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है और आसपास के गांवों में सतर्क रहने की मुनादी भी करवाई जा रही है।

रेलवे टिकट की तरह घर-प्लॉट की रजिस्ट्री भी तत्काल

एमपी में अगले 3 महीने में लागू हो जाएगा नया सिस्टम

भोपाल। मध्यप्रदेश में अब रेलवे के तत्काल टिकट सिस्टम की तरह घर-प्लॉट की रजिस्ट्री के लिए भी तत्काल सिस्टम शुरू हो रहा है। अगले तीन महीने में ये सुविधा शुरू हगो जाएगी। इसके लिए न तो पंजीयक कार्यालय जाने की जरूरत पड़ेगी और न ही स्लॉट के लिए इंतजार करना पड़ेगा। स्लॉट की औपचारिकता पूरी होने पर फौरन रजिस्ट्री हो जाएगी। हालांकि इसके लिए अतिरिक्त चार्ज देना होगा। यह चार्ज कितना होगा यह तय नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि यह एक्स्ट्रा चार्ज 3000 रुपए तक हो सकता है। जबकि गोवा में तत्काल रजिस्ट्री

के लिए 50 हजार से 2 लाख रुपए तक खर्च करना पड़ता है। छत्तीसगढ़ में इसके लिए 25 हजार रुपए चार्ज लगता है। गोवा और छत्तीसगढ़ के अलावा कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा में भी लोगों को तत्काल रजिस्ट्री के लिए स्लॉट लेने की सुविधा है लेकिन इन सभी प्रदेशों में इसके लिए बहुत ज्यादा फीस ली जाती है। पंजीयन से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि मप्र में अन्य राज्यों की तुलना में यह फीस बहुत कम होगी। खास बात यह है कि इसके जरि दुनिया के किसी भी कोने से उसी दिन रजिस्ट्री संभव हो सकेगी। जिस जिले में जमीन की खरीद-फरोख्त करनी होती है,उस जिले के पंजीयन कार्यालय में स्लॉट लेना होता है।

शरई तरीके से हुआ जयपुर में एक निकाह

- जमीयतुल कुरैश के सदर नईमुद्दीन कुरैशी (इण्डियाना) के बेटे शादाब एवं बिजनेसमैन छुट्टन कुरैशी की बेटी सानिया का निकाह बिना दहेज, बिना खाना, बिना गार्डन के साधारण तरीके से हुआ

- यह निकाह मुस्लिम समाज के लिए बन सकती है एक मिसाल और दे सकता है मुसलमानों को साधारण निकाह करने का पैगाम

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर में एक ऐसा निकाह हुआ है जो मुसलमानों के लिए एक मिसाल बन सकता है और निकाह आसान बनाने का सबक बन सकता है। यह निकाह 24 दिसंबर 2024 बरोज मंगलवार को झोटवाड़ा स्थित नूरानी मस्जिद में ऑल इण्डिया जमीयतुल कुरैश राजस्थान के सदर एवं व्यवसायी नईमुद्दीन कुरैशी (इण्डियाना) के बेटे शादाब का अमन ड्रीम बिल्डकॉम एवं डीसीएम अजमेर रोड स्थित इण्डियन ऑयल पेट्रोल पम्प के मालिक छुट्टन कुरैशी की बेटी सानिया के साथ हुआ। निकाह जामा मस्जिद जयपुर के मुफ्ती अमजद साहब ने पढ़ाया । यह निकाह नूरानी मस्जिद में हुआ, जिसमें सिर्फ खजूर एवं शर्बत की व्यवस्था थी। शादी में कोई दिखावा नहीं था। कोई खाना नहीं था और न ही किसी गार्डन का इंतजाम किया गया। बेटी को घर से ही शरई तरीके से निकाह के बाद विदा किया गया।

यह निकाह मिसाल क्यों:-

वर्तमान में मुस्लिम समाज के लोग एवं युवा दिखावे की जिंदगी में भरोसा रख रहे हैं। यही कारण है कि शादियों में फिजूल खर्चा बढता जा रहा है। मुस्लिम समाज में दहेज और ज्यादा खर्चे के कारण निकाह मुश्किल होते जा रहे हैं। लेकिन यहां सबसे पहले जमीयतुल कुरैश राजस्थान के सदर एवं समाज सेवी, व्यवसायी नईमुद्दीन कुरैशी (इण्डियाना) ने अपने बेटे का शरीयत के अनुसार निकाह करवाने की इच्छा व्यक्त की। उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए जयपुर के बड़े वयवसायी झोटवाड़ा निवासी छुट्टन कुरैशी ने शरई तरीके से निकाह करने में उनका पूरा साथ देने के लिए हां की। सबसे खास बात यह भी रही कि नईमुद्दीन कुरैशी के बेटे शादाब और छुट्टन कुरैशी की बेटी सानिया ने अपने वाल्देन का भरपूर साथ दिया। जिससे निकाह आसान तरीके से हो सका। दुल्हा दुल्हन दोनों ग्रेजूऐट और पोस्ट ग्रेजूऐट हैं। इन्होंने शरई तरीके से निकाह की रजामंदी भी दी और साधारण निकाह करने की इच्छा भी व्यक्त की। यह मुस्लिम समाज के युवाओं के लिए और शादी में फिजूल खर्ची करने वालों के लिए एक मिसाल है। दोनों ही पक्ष आर्थिक रूप से मजबूतः- दिखावे के चक्कर में लोग कर्ज लेकर भी महंगी शादी करने लगे हैं। कई बार दहेज को लेकर रिश्ते तक बिगड़ जाते हैं और कई बार दहेज को लेकर लडके लड़कियों के रिश्ते नहीं हो पाते हैं। यह शादी (निकाह) इसलिए भी मुस्लिम समाज के लिए मिसाल और सबक है, क्योंकि दुल्हा और दुल्हन पक्ष दोनों ही आर्थिक रूप से मजबूत और खुशहाल हैं। यदि दुल्हा, दुल्हन और उनके वाल्देन चाहते तो महंगी से महंगी शादी कर सकते थे, लेकिन इन्होंने इस्लामी तरीके से निकाह करना पसंद किया। जो अपने आप में एक मिसाल है। जयपुर में छुट्टन कुरैशी और नईमुद्दीन कुरैशी की गिनती बड़े व्यवसायियों में होती है। शादी में खर्चे करना उनके लिए कोई बड़ी बात नहीं होती। लेकिन दोनों ने अपने बच्चों का निकाह आसान (शरई) तरीके से किया। मुस्लिम समाज के युवा दुल्हा शादाब, दुल्हन सानिया और उनके वालिद नईमुद्दीन कुरैशी एवं छुट्टन कुरैशी से सीख ले सकते हैं।

निकाह को आसान बनाएं : छुट्टन कुरैशी

दुल्हन के वालिद छुट्टन कुरैशी ने कहा कि दहेज लेने और देने की प्रथा इस्लाम का हिस्सा नहीं है। निकाह को आसान बनाएं, फिजूलखर्ची से बचें। छुट्टन कुरैशी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि तालीम, रोजगार व अन्य आवश्यक कार्य के लिए खर्च करें। निकाह एक तरह से दो परिवारों को जोड़ने का जरिया है। इसमें दिखावे की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दहेज लेने और देने की प्रथा इस्लाम का हिस्सा नहीं है।

मस्जिदों में सादगी से निकाह करें : नईमुद्दीन

वहीं दुल्हे के पिता नईमुद्दीन कुरैशी ने कहा कि मैंने अपने बच्चे का निकाह इस्लामी तरीके से करने की कोशिश की है। बेटे का निकाह शरीयत के मुताबिक करके लोगों को पैगाम दिया है कि निकाह को आसान करें और इस मामले में इस्लामी उसूलों की पाबंदी से पालना करें। उन्होंने लोगों से शादी में होने वाली फिजूलखर्ची को छोड़ने, मस्जिदों में सादगी से निकाह करने और दहेज लेन-देन को पूरी तरह छोड़ने की अपील की है। फिजूलखर्ची बंद हो, बच्चों की तालीम पर खर्च करें : इमरान वहीं दुल्हन सानिया के भाई एवं कांग्रेस के युवा नेता इमरान कुरैशी ने कहा कि दहेज एक बड़ी समस्या है। बच्चों की शादियां-निकाह चुनौती बनती जा रही हैं। कई बेटियों की तो शादियों में इसी कारण देरी होती जा रही है कि दहेज व बारातियों पर खर्च सहन नहीं हो पाता। कई जगह दहेज के कारण रिश्ता टूट जाता है। इसलिए दहेज जैसी प्रथाओं पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है। शादियों में अनावश्यक खर्च करने से बेहतर है कि उसे बच्चों की शिक्षा पर खर्च करें। उन्होंने लोगों से शादी में होने वाली फिजूलखर्ची को छोड़ने, मस्जिदों में सादगी से निकाह करने और दहेज लेन-देन को पूरी तरह छोड़ने का आह्वान किया।

'ईश्वर-अल्लाह तेरो नाम' भजन पर पटना में कोहराम

- गायिका को मांगनी पड़ी सार्वजनिक माफी,लालू यादव ने बीजेपी पर साधा निशाना
- सिंगर को 'जय श्रीराम' के नारे लगाने पड़े, 'मैं अटल रहूंगा' कार्यक्रम की घटना

पटना (एजेंसी)। बिहार के पटना में गुरुवार को अटल जयंती समारोह में महात्मा गांधी के भजन रघुपति राघव राज राम...को लेकर हंगामा हो गया। भजन गायिका देवी को माफी मांगनी पड़ी। जय श्रीराम के नारे लगाने पड़े तब जाकर मामला शांत हुआ और कार्यक्रम दोबारा शुरू हुआ। उधर, इस घटना पर आरजेडी नेता लालू प्रसाद यादव ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि गांधीजी का भजन गाया तो नीतिश कुमार के भाजपाई साथियों ने हंगामा कर दिया। ओछी समझ के लोगों की भावनाएं आहत हो गई। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता अश्विनी चौबे ने 25 दिसंबर को पटना के बापू सभागार में 'मैं अटल रहूंगा' कार्यक्रम आयोजित किया था। गायिका देवी को कार्यक्रम में परफॉर्म करने के लिए बुलाया गया था। कार्यक्रम में देवी ने 'भारत माता की जय' और 'अटल बिहारी वाजपेयी अमर रहे' के नारे लगाए। इसके बाद उन्होंने जब रघुपति राघव राजा राम गुनगुनाना शुरू किया। देवी ने जब भजन की लाइन 'ईश्वर-अल्लाह तेरो नाम' गाया तो सभागार में मौजूद करीब 60-70 युवा कार्यकर्ता नाराज हो गए। इसके बाद सभी अपने स्थान पर खड़े होकर 'जय श्री राम' का नारा लगाने लगे। इस पर गायिका देवी ने कहा- भगवान हम सभी के हैं और उनका उद्देश्य केवल राम को याद करना था। हालांकि, इसका असर नहीं हुआ, तो आयोजकों ने बीच में हस्तक्षेप किया। आयोजकों के हस्तक्षेप से भी जब बात नहीं बनी, तो देवी ने कहा भगवान हम सभी के हैं। अगर आपके दिल को ठेस लगी है, तो मैं सॉरी कहती हूं। इसके बाद भी लोग संतुष्ट नहीं हुए और नारे लगाते हुए बाहर निकलने लगे। इस पर देवी ने भी 'जय श्रीराम' का नारा लगाया। फिर आयोजकों ने मंच से कहा कि भारत मां की हम सभी संतान हैं। इस तरह से हम अपना परिचय नहीं देते हैं। विवाद के बाद सिंगर देवी ने कहा- ये विवाद अनएक्सपेटेड था।

24 घंटे का अल्टीमेटम...

केजरीवाल पर 'एफआईआर' से भड़की आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये और बुजुर्गों के मुफ्त इलाज से जुड़े आम आदमी पार्टी के वादे पर सियासत गरम है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर इन कथित स्कीम्स का रजिस्ट्रेशन शुरू कर चुके हैं। दूसरी तरफ, दिल्ली सरकार के ही अलग-अलग विभाग अखबारों में विज्ञापन देकर जनता को आगाह कर रहे हैं कि ऐसी किसी योजना का कोई अस्तित्व ही नहीं है, अधिसूचित ही नहीं हैं, लिहाजा ऐसी किसी योजना के वादों के बहकावे में न आएं और अनधिकृति व्यक्तियों से निजी और संवेदनशील जानकारियों को शेयर न करें। विपक्षी बीजेपी और कांग्रेस ने इसे जनता को गुमराह करना बताया है। यूथ कांग्रेस ने तो पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में शिकायत देकर अरविंद केजरीवाल के खिलाफ धोखाधड़ी और फर्जीवाड़ा का केस दर्ज किया जाए।

वीर बाल दिवस

देश-धर्म और समाज के लिए बलिदान होने की अद्वितीय घटना

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया साहिबजादों के बलिदान का स्मरण
- मुख्यमंत्री ने हमीदिया रोड स्थित गुरुद्वारा पहुंच कर टेका मत्था

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ÷वीर बाल दिवस÷ पर दिन की शुरूआत हमीदिया रोड के गुरुद्वारे में मत्था टेककर, साहिबजादों के बलिदान के स्मरण के साथ की। उन्होंने गुरबाणी का श्रवण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ÷जो बोले सो निहाल-सत् श्री अकाल÷ के उद्घोष के साथ अपना संबोधन आरंभ करते हुए कहा कि आज का दिन भारत ही नहीं, संपूर्ण विश्व के लिए विशेष है। गुरु गोविंद सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन, धर्म-समाज और देश के लिए समर्पित कर दिया। ऐसे महान व्यक्तित्व का यह सौभाग्य था कि उनके परिवार ने भी स्वयं को देश पर बलिदान किया। यह इतिहास की अद्वितीय घटना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने करतारपुर साहब के दर्शन की व्यवस्था और आज के दिन को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने जैसी अनेकों सौगातें समाज को प्रदान की हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी के जीवन के विविध पक्षों को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जा रहा है। आने वाली पीढ़ियों को वीर बालकों की शहादत से अवगत कराने के लिए उनके दृढ़ संकल्प, वीरता और बलिदान का उल्लेख भी पाठ्य पुस्तकों में होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी हमीदिया रोड द्वारा वीर बाल दिवस पर गुरुद्वारे की सभी व्यवस्थाएं बच्चों को सौंपने की पहल और बच्चों द्वारा पूरी जिम्मेदारी से किए जा रहे हैं दायित्व निर्वहन की सराहना की।

रोहिंग्या पर अराकान आर्मी और बांग्लादेशी सेना में 'दोस्ती'

नेपीडा (एजेंसी)। म्यांमार के रखाइन राज्य में विद्रोही अराकान आर्मी और जुंटा सेना के बीच चल रहे संघर्ष ने बीते कुछ दिनों में अहम मोड़ लिया है। अराकान आर्मी ( ) ने रखाइन के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया है। इनमें वो इलाके भी शामिल हैं, जो बांग्लादेश के बॉर्डर पर हैं। ऐसे में अब बांग्लादेश बॉर्डर पर का नियंत्रण है। दूसरी ओर इस संघर्ष ने

बड़े पैमाने पर रोहिंग्या मुस्लिमों और दूसरे अल्पसंख्यकों को रखाइन छोड़कर बांग्लादेश में शरण लेने को मजबूर किया है। इससे सीमा पर एक मानवीय संकट है और तनाव भी पैदा हुआ है। म्यामांर सीमा पर खड़े हुए इस संकट के बीच ने बांग्लादेश सेना से संपर्क किया है। संकट के बीच महत्वपूर्ण आपूर्ति लाइनों को सुरक्षित करने और मानवीय प्रयासों को सुविधाजनक बनाने में बांग्लादेश का समर्थन चाहता है।

एमपी में खुद बना सकेंगे ऑनलाइन जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र

- अगर गलत जानकारी दी तो मिलेगी सजा,कैबिनेट का फैसला
- उज्जैन में क्षिप्रा नदी के किनारे अब बनेगा 29 किमी लंबा घाट

भोपाल। मध्यप्रदेश के लोग अब खुद ही सर्टिफाइड कर ऑनलाइन जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बना सकेंगे। इसके लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। गलत सर्टिफाइड करने पर संबंधित व्यक्ति पर कार्रवाई की जाएगी। मोहन सरकार की साल 2024 की आखिरी कैबिनेट मीटिंग में गुरुवार को ये बड़ा फैसला लिया गया। इसके अलावा सरकार ने तय किया है कि उज्जैन में क्षिप्रा नदी के किनारे 29 किलोमीटर लंबा घाट बनाया जाएगा। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि उज्जैन में सिंहस्थ के दौरान एक दिन में दो करोड़ लोगों के आने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ये फैसला किया है। 29 किलोमीटर का घाट शिप्रा नदी के दायें किनारे पर शनि मंदिर से नागदा बायपास तक बनेगा। इसकी लागत 771 करोड़ रुपए होगी।

ठंड के मौसम में 'हीटर' ट्रेन चलाने की तैयारी

- अपने यात्रियों के लिए नई सुविधा लेकर आया है रेलवे
- नई दिल्ली से श्रीनगर के लिए तैयार हो रही स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे ने अपने यात्रियों के लिए नई सुविधा लेकर आई है। यात्रियों को मिली इस खुशखबरी से लंबे समय से चला आ रहा इंतजार भी खत्म होने जा रहा है। रेलवे ने अपने यात्रियों के लिए सर्दियों के मौसम में गर्मी का एहसास दिलाने की तैयारी की है। अब आप बिना ठंड महसूस किए ही बर्फ की वादियों के नजारों का लुत्फ उठा सकते हैं। दरअसल भारतीय रेलवे एसी वाली स्लीपर ट्रेन चलाने जा रही है। इस कोच को गर्म रखने के लिए इक्विपमेंट्स लगे हुए हैं। इसको लेकर सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। ये ट्रेन नए साल में नई दिल्ली से कश्मीर तक चलाया जाएगा। इस ट्रेन को कश्मीर में दहशतगर्दों से बचाने के लिए सुरक्षा का ध्यान रखा गया है। ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि जनवरी 2025 में ये ट्रेन रफ्तार भरेगी। इसके साथ ही जल्दी ही इस ट्रेन के लिए बुकिंग भी शुरू की जाएगी। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इंडियन रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि स्लीपर वाली एसी ट्रेन के कोच के भीतर हीटिंग की सुविधा होगी। ये इस वजह से किया जा रहा है क्योंकि ट्रेन रूट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बर्फ से ढके इलाके से गुजरती है। जानकारी के अनुसार इस ट्रेन में 22 कोच होंगे। वहीं इस ट्रेन रूट पर वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को कुछ दिन और आगे बढ़ा दिया गया है। रेलवे के अधिकारी के अनुसार उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना को कटरा से बारामूला तक आठ कोच वाली वंदे भारत ट्रेन चेयर कार सीटिंग चलाई जाएगी। इस ट्रेन को विशेष तौर पर ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। हिमालय वाले क्षेत्र में बर्फबारी को देखते हुए कोच के पहिये और इंजन के सामने के कांच को बर्फ जमा होने से बचाने के तौर पर तैयार किया गया है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय

बेकाबू होती जा रही महंगाई...

महंगाई गंभीर समस्या बनती जा रही है और बाजार में उतार-चढ़ाव के तौर पर देखी जाने वाली स्थितियां अब आम रहने लगी हैं। एक दौर था, जब लोग कुछ समय तक महंगाई की चुनौतियों का सामना कर लेते थे। अब महंगाई में निरंतरता बनी हुई है, खर्च की चादर फैलती जा रही है। ठंड के मौसम में हरी सब्जियां बाजार में दिखती हैं और अमूमन उनकी कीमत ऐसी रहती है कि लोग खर्च कर सकें, लेकिन इस साल ऐसा नहीं है। गोभी, पालक, भिंडी, टमाटर, प्याज, लहसुन, मटर जैसी सब्जियों के दाम ज्यादा होने से आम लोगों का बजट प्रभावित हो रहा है। सब्जी विक्रेताओं के मुताबिक, बड़े कारोबारियों की जमाखोरी के कारण महंगाई की नौबत आई है। विवाह आयोजनों के लिए खरीद हो रही है और छोटे विक्रेताओं तक आवक कम हो रही है। इस बार हरी सब्जियों की पैदावार भी कम हुई है। हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों से रोजी-रोजगार की फिक्र में लोग यह भी भूलते जा रहे हैं कि उनकी थाली में न्यूनतम चीजें क्या-क्या होनी चाहिए।

खाने पीने की चीजों में करनी पड़ रही कटौती

यह नौबत आ गई है कि अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों की चकाचौंध के बीच बहुत सारे लोगों को खाने-पीने की चीजों में भी कटौती करनी पड़ रही है। यह सोचने की जरूरत है कि आर्थिक विकास के दावों के दायरे में कौन है। क्यों थाली महंगी हो रही है।

जरूरी सामानों के साथ ही खाद्य पदार्थों की बढ़ी हुई कीमतों ने पहले ही आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित करना शुरू कर दिया था। मुश्किल सिर्फ सब्जियों तक नहीं सिमटी है। इसका असर दूसरे खाद्य पदार्थों पर भी पड़ा है और खरीदारी के वक्त भी लोगों को अब थोड़ा रुक कर सोचना पड़ रहा है।

गरीब आबादी के सामने चुनौती

यह दुखद स्थिति है कि आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर कदम बढ़ाने का दावा करने के क्रम में इस पक्ष की अनदेखी की जा रही है कि लोग जीने के लिए जो भोजन कर रहे हैं, उसके लिए उन्हें कितना सोचना पड़ रहा है। देश की गरीब आबादी के सामने किस तरह की चुनौतियां खड़ी हैं, यह समझना बहुत मुश्किल नहीं है।

हाल में आयात और निर्यात के जो आंकड़े सामने आए हैं, उनसे यह स्पष्ट है। व्यापार घाटा बढ़ा है। इससे महंगाई बढ़ती ही है। महंगाई पर काबू पाने के लिए वस्तुओं के विपणन, भंडारण और आयात पर तर्कसंगत नजरिए से काम होना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि केंद्रीय बैंक व सरकार के प्रयासों के बावजूद खुदरा महंगाई पर नियंत्रण के लक्ष्य हासिल नहीं हो सके हैं।

उर्दू में लिखा जाता था मनमोहन सिंह का भाषण

पहली पीएम स्पीच की तैयारी में तीन दिन लगे; दफ्तर जाने से पहले शबद गुनगुनाते थे

साल 2004, मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बाद लोकसभा का पहला सेशन। देश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ जब नए प्रधानमंत्री को सदन में न तो अपने मंत्रियों के परिचय कराने की अनुमति दी गई और न ही उन्हें राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का मौका मिला। तब मुख्य विपक्षी पार्टी BJP शिबू सोरेन और उन नेताओं के मंत्री बनाए जाने का विरोध कर रही थी, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे।

10 जून 2004, नई संसद के ओपनिंग सेशन का आखिरी दिन। लोकसभा स्पीकर सोमनाथ चटर्जी ने PM मनमोहन सिंह को बोलने के लिए इनवाइट किया, लेकिन विपक्ष ने इसकी अनुमति नहीं दी। इससे डॉ. सिंह परेशान हो गए।

उन्हें बेहद गुस्सा आया। उन्हें दुख हुआ कि विपक्षी दल BJP नए प्रधानमंत्री को सदन में बोलने नहीं दे रही। बाद में BJP न चाहते हुए भी प्रधानमंत्री के भाषण के लिए तैयार हो गई।

मनमोहन सिंह के मीडिया एडवाइजर रहे संजय बारू अपनी किताब 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' में लिखते हैं- 'इस घटना के बाद मनमोहन सिंह उदास मन से घर लौटे।

इसके बाद तय किया गया कि प्रधानमंत्री जो बयान सदन में देना चाहते थे, वो बयान टीवी के माध्यम से देश के नाम दिया जाएगा। मुझे और मणि दीक्षित को प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन को री-ड्राफ्ट करने की जिम्मेदारी दी गई।

ड्राफ्ट तैयार करने के बाद, मैंने प्रधानमंत्री को सलाह दी कि वे टीवी पर भाषण देने से पहले टेलीप्रॉम्प्टर के सामने भाषण देने

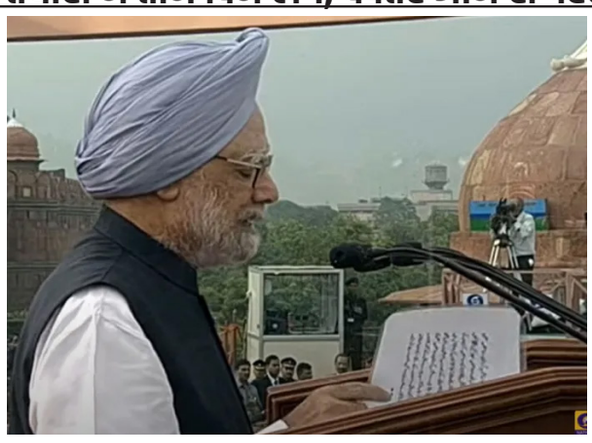

की प्रैक्टिस करें। प्रधानमंत्री इसके लिए राजी भी हो गए। 7 रेस कोर्स रोड यानी प्राइम मिनिस्टर आवास में एक टीवी कैमरा इंस्टॉल किया गया।

PM हर दिन दोपहर में लंच करने के बाद एक घंटा कैमरे के सामने भाषण देने की प्रैक्टिस करते थे। दिन का काम पूरा होने के बाद मैं उन्हें रिकॉर्डिंग सुनाता था और उनकी गलतियों के बारे में बताता था, ताकि वे सुधार कर सकें। उनकी आवाज बहुस सॉफ्ट थी। वे महत्वपूर्ण बात कहने के बाद, बिना पॉज लिए अगले वाक्य की तरफ बढ़ जाते थे।'

मनमोहन सिंह के पहली स्पीच को तैयार करने में तीन दिन लगे

संजय बारू लिखते हैं- मनमोहन सिंह का पहले राष्ट्र के नाम टेलीविजन स्पीच की प्रैक्टिस में तीन दिन लगे थे। 24 जून की सुबह उनकी स्पीच रिकॉर्ड की गई और रात में उसे टेलीकास्ट किया गया। अगली सुबह 'द हिंदू अखबार' में लीड स्टोरी छपी। इसमें प्रधानमंत्री के भाषण की तारीफ की गई।

प्रधानमंत्री के भाषण के हिंदी वाले हिस्से को उर्दू में लिखा गया था, क्योंकि पश्चिमी पंजाब यानी अब के पाकिस्तान में जन्मे मनमोहन सिंह ने कभी हिंदी पढ़ना नहीं सीखा था। उनकी मातृभाषा पंजाबी थी, जबकि उर्दू उनके स्कूल एजुकेशन की लैंग्वेज थी।

मनमोहन सिंह को उर्दू अच्छी आती थी। उन्हें उर्दू साहित्य और कविताओं की भी अच्छी समझ थी। वे सदन में भी अक्सर उर्दू कविताओं का इस्तेमाल करते थे। उन्होंने सदन में एक बार पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशरफ के लिए कहा था- 'ये जब्र भी देखा है, तारीख की नजरों ने, लम्हों ने खता की थी, सदियों ने सजा पाई'... मनमोहन सिंह की स्वतंत्रता दिवस की स्पीच हमेशा उर्दू में लिखी जाती थी।

मनमोहन सिंह के कान में जाकर कहना पड़ता था- 'स्माइल'

संजय बारू लिखते हैं- 'मनमोहन सिंह पब्लिक स्पीच के लिए खुद को तैयार करते रहते थे। उनके साथ यह कभी नैचुरली नहीं आया। कैमरा के सामने आने पर मुस्कुराना नेताओं की बेसिक जरूरत होती है, लेकिन ऐसा करना भी मनमोहन सिंह के लिए आसान नहीं रहा। मुझे अक्सर उनके कान में जाकर कहना पड़ता था 'स्माइल'। SPG के जवान उनसे सटकर खड़े होते थे। कई बार ऐसा करते मुझे डर लगता था।

जब भी प्रधानमंत्री को किसी आतंकवादी हमले की निंदा के लिए टीवी पर आना होता, तो मैं उनसे आग्रह करता था कि वे पहले से तैयार स्क्रिप्ट न पढ़ें, बल्कि कैमरे के सामने आकर बोलें। समय के साथ उन्होंने टेलिप्रॉम्टर देखकर बोलना तो सीख लिया, लेकिन वे कभी बेहतर पब्लिक स्पीकर नहीं बन सके। न भीड़ के सामने, न टीवी पर।

जब भी उनका कोई टीवी इंटरव्यू या स्टेटमेंट प्रसारित होता, तो मैं उसका कैमरा एंगल डिसाइड करता था। अगर PM बोलने में कोई मिस्टेक करते तो मैं फिर से रिकॉर्डिंग के लिए कहता था। मैं यह तय करता था कि अप्रूव्ड वर्जन ही प्रसारित हो सके।'

जब मनमोहन सिंह ने कहा- 'क्या शेर कभी अपने दांत साफ करता है'

संजय बारू लिखते हैं- 'मनमोहन सिंह को US कांग्रेस में भाषण देना था। मुझे पता था कि PM को दिक्कत कहां आती है। इसलिए मैं उन शब्दों को अंडरलाइन करते जा रहा था, जो अहम होते थे। जिन शब्दों पर ऑडियंस वाहवाह करती, ताकि PM समझ सकें कि कहां पर उन्हें पॉज लेना है। हालांकि, वे शायद ही ऐसा करने में कामयाब रहे।'

'जुलाई 2004, PM मनमोहन सिंह का बैंकॉक में मीडिया से पहला इंटरैक्शन था। मैं उनके कमरे में गया और कहा कि क्या मीडिया को फेस करने के लिए पहले तैयारी की जरूरत है? उन्होंने जबाव दिया- 'क्या शेर कभी अपने दांत साफ करता है।'

जब सोनिया गांधी की कुर्सी आनन-फानन में बदलनी पड़ी थी

संजय बारू अपनी किताब द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर में लिखते हैं- '15 अगस्त, 2004 की बात है। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को लाल किले की प्राचीर से संबोधित करना था।

प्रधानमंत्री के SPG ने मुझसे कहा कि मैं भाषण से एक दिन पहले ड्रेस रिहर्सल कार्यक्रम में भाग लूं। मैं लाल किला पहुंचा। लाल किले की प्राचीर के चारों तरफ घूमते हुए मैंने अचानक 'सिटिंग अरेंजमेंट' पर नजर दौड़ाई।

पहली लाइन में पहली सीट मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरन कौर की थी। उसके बाद वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों, विपक्ष के नेता और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की कुर्सी थी। मैं हैरान था कि पहली पंक्ति में सोनिया गांधी की कुर्सी नहीं थी।'

संजय बारू लिखते हैं- 'मैंने रक्षा मंत्रालय के अधिकारी से पूछा कि सोनिया को कहां बैठाया जाएगा, तो उन्होंने चौथी या पांचवी पंक्ति की तरफ इशारा किया, जहां उनकी बगल में नजमा हेपतुल्लाह को बैठाया जाना था।

मैं यह सुनकर अवाक रह गया। मुजे ध्यान आया कि सोनिया गांधी राष्ट्रपति भवन में होने वाले कार्यक्रमों में अक्सर सामने बैठती हैं।

अगर सोनिया गांधी को पहली पंक्ति में जगह नहीं मिली तो मनमोहन सिंह को व्यक्तिगत तौर पर बहुत शर्मिंदगी होगी और सोनिया गांधी भी अपमानित महसूस करेंगी। इसके बाद मैंने PMO के एक अधिकारी को फोन किया और समय रहते सोनिया की चेयर बदल गई।'

जब मनमोहन से मिलने पाकिस्तान से दिल्ली आया उनके बचपन का दोस्त

मनमोहन सिंह का जन्म अविभाजित भारत के पंजाब प्रांत में हुआ था। बंटवारे के बाद मनमोहन सिंह का परिवार भारत आ गया। बंटवारे के वक्त मनमोहन सिंह 15 साल के थे। पाकिस्तान में राजा मोहम्मद अली उनके खास दोस्त थे। अली, मनमोहन सिंह को 'मोहना' कहकर बुलाते थे।

2004 में जब मनमोहन सिंह भारत के प्रधानमंत्री बने, तो मोहम्मद अली को खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने प्रधानमंत्री से मिलने की इक्षा जताई। चार साल बाद यानी 2008 में मनमोहन सिंह ने अली को दिल्ली आने का न्योता दिया।

मई 2008, मोहम्मद अली अपने परिवार के साथ दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से मिले।

अली अपने साथ मनमोहन सिंह के पैतृक गांव की मिट्टी और पानी लेकर आए थे। जाते वक्त मनमोहन सिंह ने अली को शॉल और टाइटन की घड़ी दी थी।

दफ्तर जाने से पहले दसवें सिख गुरु का शबद गुनगुनाया करते थे मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरन कौर ने मशहूर अर्थशास्त्री ईशर अहलूवालिया को बताया था- 'मनमोहन सिंह जब दफ्तर जाने के लिए तैयार हो रहे होते थे, तो दसवें सिख गुरु का अपना पसंदीदा शबद गुनगुनाया करते थे...

श्रद्धांजलि
डॉ. रमेश ठाकुर

आर्थिक जगत के विलक्षण वास्तुकार थे डॉक्टर साहब

बा नवे वर्ष में डॉ. मनमोहन सिंह ने दुनिया को अलविदा कह दिया। उनका संपूर्ण मौन व्यक्तित्व ऐसा रहा जिससे देश भी कई मर्तबा अधीर होकर उठ खड़ा हुआ। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को न सिर्फ भारत ने, बल्कि विश्व बिरादरी ने अपना सगा अर्थ-व्यवस्था का विलक्षण कोहिनूर समान वास्तुकार खो दिया। पूरे संसार की आंखें उनके निधन से नम हैं। दो दफा प्रधानमंत्री के रूप में डॉक्टर साहब ने 5 ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए जिन्हें मौजूदा क्या, आने वाली पीढ़ियां भी स्मरण करती रहेंगी। 2005 में 'सूचना का अधिकार' और 'मनरेगा कानून' को लागू करना। फिर 2009 में 'शिक्षा का अधिकार कानून'। वहीं, 2013 में दो बड़े फैसले 'राष्ट्रीय खाद सुरक्षा कानून' और 'भूमि अधिग्रहण कानून' पर अंतिम निर्णय लेने को भारतवासी सदैव याद करेंगे। डॉ. सिंह को अर्थव्यवस्था का सूत्रधार कहा गया। आर्थिक उदारीकरण और आर्थिक सर्वेक्षणों में सुधार के लिए उनकी एकाग्रता के सभी काबिल रहे। यूपीए सरकार के दूसरे टर्म में जब प्रधानमंत्री बनाने की बात हुई, तो प्रणब मुखर्जी का नाम सबसे तेज दौड़ा। पर, प्रणब मुखर्जी ने खुद आगे बढ़कर सोनिया गांधी और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से गुहार लगाई कि देश की अर्थव्यवस्था जिस लिहाज से आगे बढ़ रही है, उसे डॉ. मनमोहन सिंह से बेहतर दूसरा कोई गति नहीं दे सकता। इसलिए वो गति निरंतर रहे, दोबारा से डॉक्टर साहब को ही कमान सौंपी जाए। उनके कहने के बाद ही यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने दोबारा डॉ. सिंह के नाम पर मुहर लगवाई। 1991 में वित्तमंत्री रहते उन्होंने जब देश की गड़बड़ अर्थव्यवस्था को संभाला था, तब स्वंय अटल बिहारी वाजपेयी ने उनकी तारीफ की थी। अपने वित्तमंत्री कार्यकाल के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने भी डॉ. सिंह के फैसलों को सराहा था। दरअसल वो ऐसा दौर था जब दशकों से बंद पड़ी भारतीय अर्थव्यवस्था के दरवाजों को खोलने की शुरुआत मनमोहन सिंह द्वारा की गई थी। वित्तमंत्री रहते लाइसेंस राज को खत्म करने का श्रेय भी उन्हें ही जाता है। उन्होंने सबसे पहले विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने का काम किया और भारत के भीतर विदेशी कारोबार को अपने अर्थ स्टाइल से आकर्षित करवाया। तभी से भारत में बाहरी कंपनियों के आगमन की शुरुआत हुई। ये काम उन्होंने बिना ढोल बजाए किया। न प्रचार किया और शोर-शराबा। जबकि, उनके चुप रहने और शांत भाव की 'मौनता' पर विभिन्न सियासी दलों ने हमेशा असहनीय और अखरने वाली तल्ख टिप्पणियां की। पर, उन्होंने कभी किसी को पलट कर कोई कड़वा जवाब नहीं दिया। उन्होंने व्यक्तिगत रिश्तों के मापदंडों को सियासत से सदैव उपर रखा। हालांकि, बीते एकाध दशक से उन पर ज्यादा ही कटाक्ष होने लगे, तो उनके भीतर का शांत शायर जाग उठा। तब, उन्होंने अपने सियासी विरोधियों को अपने दो शेर के जरिए जवाब दिया। उन शेर को लोग आज उनके न रहने पर खूब गुनगुना और याद कर रहे हैं। उनका पहला शेर था 'माना तेरे दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक देख, मेरा इंतजार देख'। और दूसरा शेर 'हजारों जवाबों से अच्छी मेरी खामोशी, न जाने कितने सवालों की आबरू रखी', था। ये दोनों शेर हमेशा चर्चाओं में रहे। गौरतलब है कि अर्थव्यवस्था के अलावा डॉक्टर मनमोहन सिंह को उच्च शिक्षा में अमूलचूक परिवर्तन और बड़ा सुधारक भी माना गया। एक मर्तबा खुद उन्होंने स्वीकारा था कि विश्व के उच्च शिक्षा संस्थान में पढ़ने के बाद ही उन्होंने देश में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को संभालने का अवसर मिला। इसलिए वह उच्च शिक्षा के सदैव पक्षधर रहे। प्रत्येक निर्णयों में उनका धैर्य, संयम और उदारता देखने लायक होती थी। प्रेशर में आकर या जल्दबाजी में उन्होंने कभी कोई निर्णय नहीं लिया। 2005 में मनरेगा का जब फाइनल ड्राफ्ट तैयार होकर उनके समक्ष प्रस्तुत किया गया, तो उसमें उन्होंने बदलाव करने को कहा, जिसको लेकर उन्होंने सोनिया गांधी की नाराजगी भी सही। लेकिन बाद में हुआ वही जो मनमोहन सिंह ने चाहा। मनमोहन सिंह सरकार में अरुणा राय उनकी सलाहकार थी, जिन्होंने ही मनरेगा में महत्वपूर्ण बदलाव के सुझाव दिए थे, उनकी राय पर ही डॉक्टर साहब ने रोजगार गारंटी अधिनियम कानून लागू किया गया। उसमें अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज की भी महत्वपूर्ण भूमिका थी। मनमोहन सिंह का व्यक्तित्व निःसंदेह करिश्माई था। वैश्वीकरण, उदारीकरण और निजीकरण के तीनों संस्करणों में उन्होंने अपना बहुमूल्य योगदान दिया, जिसे देश कभी नहीं भूलेगा। डॉ. मनमोहन सिंह देश के बेशकीमती हीरे ही नहीं, बल्कि धरोहर जैसे थे। उनके योगदान के किस्से आने वाली पीढ़ियां सुनती और पढ़ती रहेंगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मस्तिष्क को जैसा चिंतन देंगे वैसा ही वह सोचेगा

श्रीराम शर्मा
दर्शन

क्या आप अत्यधिक चिंतनशील प्रकृति के हैं? सारे दिन अपनी बाबत कुछ न कुछ गंभीरता से सोचा ही करते हैं? आप अपने मस्तिष्क को सारे दिन विशेषतः रात में किसी भी चिंतन की क्रिया में डाल देते हैं। जैसे गाड़ी का पहिया किसी लीक में पड़ कर आगे निरंतर उसी दिशा में बढ़ता रहता है, उसी प्रकार मस्तिष्क को चिंतन की किसी भी समस्या में उसको लगा देने से वह उसी में फंसा रहता है। वह खुद रुकता नहीं, बल्कि चिंतन के प्रवाह में आगे बढ़ता रहता है। मस्तिष्क तो चिंतन का एक यंत्र है। उसका कार्य चिंतन करना ही है। यदि आप उसे कोई अच्छी या बुरी समस्या दिए रहेंगे, तो निश्चय जानिए वह उसी समस्या के उखाड़-पछाड़ में संलग्न रहेगा। वह विश्राम की परवाह न कर बौद्धिक चिंतन ही किए जाएगा। आधुनिक मनोविज्ञान वेत्ताओं की नई खोज यह है कि अधिक बौद्धिक चिंतन मनुष्य के शरीर के लिए हानिकारक है। जो जितना अधिक मानसिक चिंतन करता है, उसका शरीर उतना ही क्षीण होता जाता है। भूख नष्ट हो जाती है। भोजन में कोई भी रुचि नहीं रह जाती। रक्तचाप, व्रण, हृदय रोग, सिर दर्द आदि उभर उठते हैं। चिंतनशील व्यक्ति प्रायः भयभीत से, शंकालु से और भविष्य के लिए चिंतित रहते हैं। गुप्त मन में बैठा हुआ उनका भय ही उन्हें खाया करता है। आप बौद्धिक चिंतन या मानसिक श्रम करने वालों के स्वास्थ्य को देखिए। वे पहले दुबले रहते हैं तो भी शरीर पर मांस नहीं बढ़ता। उनकी हडियां ही हड्डियां चमका करती हैं।

विनम्रता, प्रेम और मधुर भाषा ही आध्यात्मिकता की पाठशाला

बाबा हरदेव
प्रेरणा

भक्तिपूर्ण विचार ही सत्संग में रख सकते हैं। विनम्र भाव, प्रेम भाव व मधुर भाषा का प्रयोग करें। यह आध्यात्मिकता की पाठशाला है। महिलाओं के साथ यदि छोटे बच्चे हों तो संगत में पीछे ही बैठें ताकि किसी को असुविधा न हो। सत्संग में आपस में बात न करें। अगर जरूरी हो तो संगत से बाहर जाकर बात करें। सत्संग में आकर आनंद लें, ये आपका अधिकार है। एक आदमी ने पांच लोगों से कहा आप सोचकर बताएं कि अगर डाक्टर ये बता दे कि आपकी मौत तीन महीने बाद हो जाएगी, तो आप उन तीन महीनों में क्या करोगे? सभी ने अपनी राय व्यक्त की मगर एक आदमी बोला तो मैं तीन महीने में अपने मालिक प्रभु के दर्शन करूंगा। बेहद प्रेम करूंगा, हृदय से भक्ति करूंगा, संतों की बहुत सेवा करूंगा और तीन महीने तक सत्संग करूंगा। तू ही निरंकार, मैं तेरी शरण हां, मैंनू बख्श लो का सुमिरन तो हृदय से इतना करूंगा कि जब तक मेरे प्राण न निकल जाएं, तब तक अपने मालिक प्रभु के चरणों में जुड़ा रहे। संगत मां से प्रार्थना करूंगा कि हे संगत मां, तेरा साथ आखिरी सांस तक बना रहे। आप साध संगत हैं, आपका कहना तो सद्गुरु भी नहीं टालते हैं। मैं यही मांगता हूं कि जब-जब दुनिया में आऊं, तब-तब तेरी संगत मुझे मिलती रहे। यही वरदान चाहता हूं। सत्संग से आनंद मिलता है, प्रभु का प्यार मिलता है। प्रेमा भक्ति मिलती है। हरि अनंत हरि कथा अनंता। कहि सुनि बहु विधि संता। परमात्मा की कथा सरोवर है। इसकी महिमा अपरंपार है। परमात्मा की चर्चा करने से शांति व ठंडक मिलती है।

अंतर्मन

आज की पाती

कार्यस्थल पर लैंगिक असमानता की चुनौती

भारतीय समाज में कार्यरत महिलाएं आज एक अभूतपूर्व संघर्ष का सामना कर रही हैं। एक ऐसी व्यवस्था में जहां पारंपरिक और आधुनिक मूल्य लगातार टकरा रहे हैं, इन महिलाओं को पेशेवर सफलता और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच एक असंभव संतुलन बनाने की चुनौती दी जा रही है। आज के आधुनिक समाज में, कार्यरत महिलाएं देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। हालांकि, उनके सामने कई स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां हैं जो उनके मानसिक, शारीरिक और सामाजिक कल्याण को प्रभावित करती हैं। कार्यस्थल और घरेलू जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखना महिलाओं के लिए एक बड़ी मानसिक चुनौती है। -सुनिधि मिश्रा, कोरबा

ट्रेंड

पुष्पांजलि अर्पित

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी को पुष्पांजलि अर्पित की। एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह जी को वित्त और सार्वजनिक नीति के उनके विशाल ज्ञान के लिए हमेशा याद किया जाएगा।
-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

अपूरणीय क्षति

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनकी विद्वता और सादगी के गुणों को शब्दों में पिरोना असंभव है। ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम नई दिल्ली

बच्चे रामायण-गीता पढ़ें

अपने बच्चों को रामायण-गीता-महाभारत अवश्य पढ़ाइए। योगेश्वर कृष्ण देवत्व की सर्वाधिक सुलभ व सरस अवधारणा के अद्वितीय प्रतीक हैं। उन्हें दो युगों में हमारी दो अलग-अलग माताओं ने प्रेम किया और दोनों केवल उस प्रेम की आभा से अनंत काल के लिए अमर भी हो गयीं।
-कुमार विश्वास, कवि

क्रोध सबसे बुरी भावना

क्रोध आपके द्वारा महसूस की जाने वाली सबसे बुरी भावना है। आपको पता नहीं है कि यह वास्तव में कहां से आता है, और यह खुद को अप्रत्याशित तरीकों से व्यक्त करेगा। एक बूमरैंग की तरह यह आपकी ओर ही पलट जाता है।
-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

यूक्रेन की तरह मोलदोवा पर हमले की योजना बना रहा रूस

रूस और यूक्रेन के बीच जंग को अब तीन साल होने वाले हैं। कई पश्चिमी देशों का अंदाजा है कि इस युद्ध के इतना लंबा खिंचने की वजह रूस की कमजोर पड़ती ताकत है। हालांकि, मैदान पर रूस ने इन कयासों को किनारे लगाते हुए यूक्रेन पर ड्रोन्स, बैलिस्टिक मिसाइल से लेकर क्रूज मिसाइलों तक से हमला बोला है और उसके बड़े क्षेत्र पर कब्जा करने में सफलता हासिल की है। इस बीच अब रूस की तरफ से पश्चिम में एक और देश के खिलाफ मोर्चा खोले जाने का खतरा उभर रहा है। यह है एक छोटा देश मालदोवा, जिस पर रूस ने सैन्य अभियान की साजिश रचने के आरोप लगाए हैं और धमकियां दी हैं। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर रूस ने मालदोवा पर किस तरह की साजिश के आरोप लगाए हैं? पुतिन शासन से मोलदोवा को किस तरह का खतरा है? दुनिया में रूस की धमकियों को लेकर डर का माहौल क्यों है? और पुतिन के अगले कदम क्या हो सकते हैं? रूस की खुफिया एजेंसियों ने आरोप लगाया है कि मालदोवा की राष्ट्रपति माइआ सैंडू यूक्रेन की सीमा के नजदीक ट्रांसनिस्ट्रिया में एक सैन्य अभियान चलाने की योजना बना रही हैं। इन एजेंसियों ने अनुमान लगाया है कि मोलदोवा का यह अभियान युद्ध में भी बदल सकता है।

ऑफ बीट

धार्मिक-आध्यात्मिक जागरण का महापर्व कुंभ मेला

महाकुंभ का यह मेला हर 12 वर्ष में ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार चार पवित्र स्थलों हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज में से किसी एक स्थान पर आयोजित होता है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के दौरान अमृत की बूंदें इन चार स्थानों पर गिरी थीं, जिससे इन स्थलों की पवित्रता बढ़ गई। 2025 में यह महाकुंभ मेला प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ आयोजित किया जा रहा है। महाकुंभ विश्व के सबसे बड़े धार्मिक-आध्यात्मिक समागम के रूप में सुप्रतिष्ठित है। कुंभ मेला सनातन भारतीय आस्था, संस्कृति और परंपराओं का अद्भुत संगम है। महाकुंभ भारतीय संस्कृति का एक अद्भुत आध्यात्मिक आयोजन है। भारतीय समाज की दृढ़ आस्था है कि संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं। यह स्नान न केवल आत्मा की शुद्धि का प्रतीक है, बल्कि इसे मोक्ष प्राप्ति का मार्ग भी माना जाता है। यह मेला हर 12 वर्ष में ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार चार पवित्र स्थलों हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज में से किसी एक स्थान पर आयोजित होता है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के दौरान अमृत की बूंदें इन चार स्थानों पर गिरी थीं, जिससे इन स्थलों की पवित्रता बढ़ गई।

रॉयल पत्रिका

न्यूज गैलरी

डिजिटल साक्षरता व जागरूकता व साइबर क्राइम की जानकारी

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। नाबार्ड के बैनर तले बागावास की राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंकमें वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता व महिला सशक्तिकरण शिविर आयोजित हुआ। इस मौके पर वित्तीय समावेशन, डिजिटल साक्षरता व जागरूकता, साइबर क्राइम तथा जमा एवं ऋण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इस मौके पर * अग्रणी जिला प्रबंधक गणेश कुमार ने बैंक की विभिन्न ऋण योजनाओं एवं महिलाओं के लिए विभिन्न ऋण योजनाएं के बारे में विश्वकर्मा योजना, लेने की प्रक्रिया, साइबर क्राइम के बारे में ग्राम वासीयों को अवगत कराया। इस दौरान आरबीआई की चेतना गोयल व वित्तीय साक्षरता समन्वयक ललित कुमार जैन ने भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत मृतक कजोड़ मल कुमावत की नींबू देवी को 2 लाख का चेक दिया गया। इस अवसर पर राजीविका के एरिया कोऑर्डिनेटर रणजीत सिंह पालावत, सरपंच प्रतिनिधि बीरबल बुनकर ,पूर्व सरपंच रमेश यादव ,बैंक सखी प्रियंका मीणा ,शाखा प्रबंधक शिव नारायण सिरोया और कन्हैया लाल शर्मा भी मौजूद रहे।

एसएमएस के जिरियाट्रिक मेडिसिन विभाग में मिली दो सीट

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज जयपुर में जिरियाट्रिक मेडिसिन के लिए एमसी ने दो सीट की अनुमति दी है। इसी शैक्षणिक वर्ष से दो छात्र जिरियाट्रिक मेडिसिन विभाग में अध्ययन कर सकेंगे। इससे वृद्धजन रोग विशेषज्ञ तैयार हो सकेंगे। राजस्थान में वृद्ध जन स्वास्थ्य के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम रहेगा। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर दीपक माहेश्वरी ने बताया कि कॉलेज प्रशासन के साथ ही जिरियाट्रिक मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डा. लक्ष्मीकांत गोयल इसके लिए लगातार प्रयासरत थे आखिरकार कॉलेज प्रशासन की मेहनत रंग लाई।

पूर्व विधायक महरिया के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर, 104 यूनिट ब्लड जुटा

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। सुधीर महरिया स्मृति संस्थान के तत्वावधान में पूर्व विधायक नन्द किशोर महरिया के जन्मदिन पर जे एम बजाज कैंपस, सेठी कॉलोनी गोविन्द मार्ग जयपुर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सिद्धार्थ महरिया ने बताया की इस नि:शुल्क रक्तदान शिविर मैं 104 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। इस मौके पर जे एम बजाज के कर्मचारियों ने रक्तदान शिविर में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। रितेश शर्मा ने बताया की 1 यूनिट रक्तदान करके 3 जिंदगियों को बचाया जा सकता है जिससे आनंद की अनुभूति होती है।

'भारतीय नारी कल, आज और कल' विषय पर हुई चर्चा

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। जयपुर इंटलेक्ट गुरप की ओर से गुरूवार को एक चर्चा संयोजित की गई, जिसका विषय रहा, भारतीय नारी कल, आज और कल। इसमें जेआईजी के सदस्यों ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि प्राचीन समय में भारतीय नारी घर की चार दीवारों तक ही सीमित थी, जहां उसके अधिकार और स्वतंत्रता पर कई बंदिशें थी, वही आज के समया में महिलाएं शिक्षा, राजनीति, व्यवसाय जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान दे रही हैं और उनकी स्थिति मजबूत हुई है। अब आने वाले कल में भारतीय नारी और भी आगे बढ़ेगी, सामाजिक और व्यावसायिक बंधनों को तौड़ते हुए अपने अधिकारों और संभावनाओं को और विस्तृत करेंगी। सदस्यों ने विचारों को आगे बढाते हुए कहा कि आज समाज की मानसिकता बदलने की जरूरत है, ताकि महिलाएं समान अवसर प्राप्त कर सकें और अपने अधिकारों का पूर्ण रूप से उपयोग कर सकें। इस मीटिंग में गुरप के सदस्यों में शामिल रहे, अलका बत्रा, सुधीर माथुर, अशोक राही, सरिता सिंह, शशी माथुर, सपना महेश, राजुला लूना, विनोद भारद्वाज, विद्या जैन, टीना साहनी, अंशु हर्ष, सुधीर कासलीवाल, निर्मला सेवानी, रानू श्रीवास्तव आदि। कार्यक्रम की मेजबान रहीं सुमन शर्मा।

वीर बाल दिवस : भाजपा मुख्यालय में शबद कीर्तन के दौरान सीएम भजन लाल घोषणा करते हुए कहा

साहिबजादों के नाम पर छात्रावास के लिए भाजपा सरकार करेगी भूमि आवंटन

जयपुर(रॉयल पत्रिका)।

जयपुर. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वीर बाल दिवस के अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में शबद कीर्तन कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार साहिबजादों के नाम पर छात्रावास के लिए सिख समाज को जमीन का आवंटन करेगी। उन्होंने कहा कि सिख धर्म के दसवें गुरू गोविंद सिंह के साहिबजादों ने मातृ भूमि के लिए, अपनी संस्कृति और विचारों के लिए दृढ़ता के साथ अपना जीवन बलिदान कर दिया, ऐसे में उनको मेरा कोटि-कोटि नमन। बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह ने धर्म की रक्षा और सत्य के लिए अल्प आयु में ही अपने प्राण न्यौछावर कर दिए, यह हम सब के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अत्याचारी मुगल शासकों ने उन्हें झुकाने और उनका धर्म परिवर्तन करवाने के लिए अनेक अत्याचार किए लेकिन राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए साहिबजादो ने हंसते हुए मृत्यु को गले लगा लिया। साहिबजादो की शहादत हमें बताती है कि धर्म के मार्ग पर चलने के लिए उम्र नहीं, दृढ संकल्प और साहस की आवश्यकता होती है। सीएम शर्मा ने कहा कि ऐसी माता को भी नमन जिसने अपने बच्चों में राष्ट्र, धर्म के लिए ऐसे संस्कार और शिक्षा दी। शर्मा ने कहा कि भाजपा का संकल्प है कि सिख धर्म

के इन साहिबजादों के बलिदान को देश की युवा पीढ़ी को बताया जाए और देश के युवा वर्ग को इनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया जाए। भाजपा ने हमेशा सिख धर्म और उनकी विरासत का सम्मान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साहिबजादों के शहादत को राष्ट्रीय बाल दिवस घोषित कर उनकी स्मृति को चिर स्थाई बनाने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है और प्रधानमंत्री मोदी का यह प्रयास हमारी सांस्कृतिक धरोवर को संजोने और आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण कदम है। हमें भी वीर साहिबजादों के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि मुगलों ने इस्लाम धर्म कबुल करवाने के लिए साहिबजादों को यातनाएं दी, यह मासूम बच्चों पर दुख की पराकाष्ठा थी। मुगलों ने इन्हें यातनाएं देकर झुकने के लिए मजबूर किया ,लेकिन उन्होंने सिर झुकाने की बजाय अपने प्राण न्यौछावर करना उचित समझा। ऐसे वीर बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह हम सभी के लिए प्रेरणा के स्त्रोत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इनकी बहादुरी को महसूस किया और बाल दिवस मनाने की घोषणा कर दी। एक ओर नेहरू के जन्म दिवस पर बाल दिवस मनाते थे, लेकिन पीएम ने साहिबजादों के शहादत पर बाल दिवस मनाने की घोषणा की। यह परिवर्तन भी स्वागत योग्य है। कार्यक्रम समिति के प्रदेश संयोजक प्रणवेंद्र शर्मा ने बताया कि भाजपा प्रदेश कार्यालय के साथ प्रदेशभर में वीर बाल दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए है।

कार्यक्रम ये रहे मौजूद

भाजपा मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सी आर चौधरी, नारायण पंचारिया, सरकार अजयपाल सिंह, भाजपा महामंत्री एवं विधायक जितेंद्र गोठवाल, प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, अजीत मांडण, वासूदेव चावला, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, विधायक गोपाल शर्मा, बाल मुकुदाचार्य, जयपुर हेरिटेज मेयर कुसुम यादव, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, सह प्रभारी भवानी शंकर शर्मा सहित भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान खालसा पंथ की स्कॉलर डॉ मंजित कौर ने साहिबजादों की शौर्य गाथा सुनाई। इस दौरान समिति के सह संयोजक जितेंद्र मीणा, डॉ अशोक यादव, विक्रम सिंह शेखावत, डॉ चन्द्रदीप हाडा ने कार्यक्रम में व्यवस्था संभाली।

उर्स मेला : उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया

यात्रियों की सुविधा के लिए 5 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का होगा संचालन

जयपुर(रॉयल पत्रिका)।

जयपुर. उर्स मेला पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए 5 जोडी स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाडी संख्या 07730, हैदराबाद-अजमेर 3 जनवरी को, गाडी संख्या 07731, अजमेर-हैदराबाद 8 जनवरी को चलेगी। मार्ग में सिकंदराबाद, मलकाजगिरी, मेडचल, कामारेड्डी, निजामाबाद, बासर, धर्माबाद, मुदखेड, नान्देड, पुर्णा, बसमत, हिंगोली, वाशिम, अकोला, मलकापुर, बुरहानपुर , खंडवा, भोपाल, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच , चित्तौडगढ, भीलवाडा, बिजयनगर एवं नसीराबाद स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाडी संख्या 07732, काचीगुडा-अजमेर 3 जनवरी को और गाडी संख्या 07733, अजमेर-काचीगुडा 8 जनवरी को संचालित होगी। मार्ग में मालकाजगिरी, बोलारम , मेडचल, कामारेड्डी, निजामाबाद, बासर , धर्माबाद, उमरी, मुदखेड, नान्देड, पुर्णा, बासमत, हिंगोली, वाशिम, अकोला, मलकापुर, बुरहानपुर, खंडवा, भोपाल, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौडगढ, भीलवाडा, बिजयनगर एवं नसीराबाद स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाडी संख्या 07119, तिरूपति-मदार (अजमेर) 2 जनवरी को और गाडी संख्या 07120, मदार (अजमेर)-तिरूपति 9 जनवरी को रवाना होगी। रेणिगुंटा, कड़प्पा, यर्रगुंटला, ताडिपत्रि, गुत्ती, डोन, कर्नुल सिटी, गदवाल , महबूबनगर, शादनगर, काचीगुडा, चर्लपल्ली, काजीपेट, पेद्दपल्ली, मंचियाल, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, वल्लारशाह, चन्द्रपुर, सेवाग्राम , नागपुर , अमला , भोपाल, उज्जैन, रतलाम , मंदसौर, नीमच, चित्तौडगढ, भीलवाडा, बिजयनगर , नसीराबाद एवं अजमेर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाडी संख्या 07734, तिरूपति-अजमेर 3 जनवरी को और गाडी संख्या 07735, अजमेर- तिरूपति 10 जनवरी को संचालित होगी। रेणिगुंटा, गुडुर, नेल्लौर, औंगुल, चीराला, बापटला, तेनाली, विजयवाडा , खम्मम्, महबूबाबाद, वरंगल, मंचिर्याल ,सिरपुर कागजनगर, वल्लारशाह, चन्द्रपुर, सेवाग्राम , नागपुर, अमला , भोपाल , संत हिरदाराम नगर ,उज्जैन ,रतलाम, मंदसौर ,नीमच , चित्तौडगढ, भीलवाडा, बिजयनगर एवं नसीराबाद स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाडी संख्या 07187, नान्देड- अजमेर 2 जनवरी और गाडी संख्या 07188, अजमेर-नान्देड 9 जनवरी को संचालित होगी। पुर्णा, परभणी ,सेलु ,परतूर ,झालना ,औरंगाबाद, रोटेगांव ,मनमाड , जलगांव, भुसावल, खंडवा, भोपाल, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौडगढ,भीलवाडा, बिजयनगर एवं नसीराबाद स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

महिलाओं के उत्पादों को पंचायती राज मंत्री ने सराहा

जयपुर(रॉयल पत्रिका)।

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत केन्द्र सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के सहयोग से राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) द्वारा संचालित सरस राज सखी राष्ट्रीय मेला 2024 का अवलोकन किया। मंत्री ने विभिन्न राज्यों से आये स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद कर उनके उत्पादों की सराहना की। शासन सचिव सहकारिता विभाग मंजु राजपाल एवं जन प्रतिनिधि ने भी मेले का अवलोकन किया गया एवं महिलाओं के उत्पादों की सराहना कर प्रेरित किया। डूंगरपुर एवं जयपुर जिले की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा भी मेले का भ्रमण किया गया। इस मेले से प्रभावित होकर आगामी मेले मे स्वयं के उत्पादों के साथ भागीदारी निभाने की मंशा जाहिर की। मेला ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का एक अहम प्रयास है, जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

कंज्यूमर केयर अवार्ड मिलने के उपलक्ष्य में

राज्य अधिवक्ता संघ ने अध्यक्ष माथुर का किया सम्मान

जयपुर(रॉयल पत्रिका)।

जयपुर. राज्य अधिवक्ता संघ की ओर से आयोजित समारोह में देवेन्द्र मोहन माथुर, अध्यक्ष जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग जयपुर-प्रथम को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर कंज्यूमर केयर अवार्ड मिलने के उपलक्ष्य में गुरुवार को सम्मानित किया गया। राज्य अधिवक्ता संघ के सचिव एवं सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता विनयकान्त सक्सैना ने बताया कि यह पुरस्कार उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने एवं उपभोक्ता मामलों के त्वरित

निष्पादन तथा उपभोक्ता संरक्षण से जुड़ी पुस्तक लिखने के लिए दिया गया हैं। सम्मान समारोह के दौरान एडवोकेट विनयकांत सक्सेना के अलावा राज्य अधिवक्ता संघ की सदस्य ट्रस्टी अधिवक्ता शीला हरवानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

वनवासी कल्याण आश्रम का स्थापना दिवस

खिलाड़ियों को ट्रैक सूट और महिलाओं को साड़ियां बांटी

जयपुर(रॉयल पत्रिका)।

जयपुर. वनवासी कल्याण आश्रम के स्थापना दिवस परआवास फाइनेंशियर्स लिमिटेड मानसरोवर के माध्यम से और राजसथान वनवासी कल्याण परिषद संचालित छात्रावासों के विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों को 575 ट्रैक सूट और क्षेत्र की महिला कार्यकर्ताओं को 305 साड़ियां वितरित की गई। मुख्य अंतिथि आवास फाइनेंसर के सीसीओ सुरेन्द्र सिंह सिहाग रहे। अध्यक्षता प्रवीण जोधपुर, मुख्य वक्ता अ.भा.

वनवासी कल्याण आश्रम के सह संगठन मंत्री भगवान सहाय एवं विशिष्ट अतिथि उदयपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसएल बामणिया क्षेत्र संगठन मंत्री विपुलभाई पटेल एवं हितरक्षा के आयाम प्रमुख संजय कुलकर्णी रहे। अंत में अतिथियों ने विद्यर्थियों को ट्रैक सूट वितरण किया। प्रदेश संगठन मंत्री जगदीश कुलमी, उपाध्यक्ष जगदीश जोशी, प्रदेश सह संगठन मंत्री हररतन डामोर, अ.भा. ग्राम विकास सह प्रमुख डॉ. राधिका लढा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंच संचालन शंकर पटेल ने किया।

न्याय **प्रतिबंध की अवधि में व नियमों के विरुद्ध स्थानांतरण करने के 2 मामले**

सभी आरोपों से पूर्व सैनिक को किया दोषमुक्त

जयपुर(रॉयल पत्रिका)।

जयपुर. आपसी विवाद एवं रंजिश में 31 जुलाई, 2021 की कथित घटना बताते हुए 03 साल बाद 14 जून, 2024 को सांगानेर थाने में गंभीर अपराधों में मुकदमा दर्ज कराने से जुड़े मामले में पोक्सो एक्ट मामलों की स्पेशल कोर्ट, क्रम-03, महानगर-प्रथम में जज हेमराज गौड़ ने एक अहम फैसला देते हुए आरोपी रहे अशोक पुरा, न्यू सांगानेर रोड़ निवासी 65 वर्षीय पूर्व सैनिक किशन लाल को आरोपित आईपीसी की

धारा-354, 406, 420 एवं 506 तथा पोक्सो एक्ट, 2012 की धारा-07/08 अपराधों में दोषमुक्त करने के आदेश दिए हैं। एडवोकेट चन्द्रशेखर कच्छावा एवं पारस जंदेल ने उपरोक्त आरोपी की ओर से पैरवी करते हुए स्पेशल अदालत को बताया कि यह प्रकरण विधि एवं कानूनी प्रावधानों के दुरूपयोग का स्पष्ट प्रमाण हैं। पुलिस ने कथित घटना के करीब 30 माह बाद और पीडिता के बालिग होने के करीब 27 माह बाद उसे नाबालिग बताते हुए मुकदमा दर्ज कराया गया था। जबकि कथित पीडित पक्ष ने पुलिस को और अदालत को उपरोक्त देरी का कोई भी संतोषजनक कारण नहीं बताया गया था। कथित घटना की तिथि तक प्रमाणित नहीं हुई। बिना कोई ठोस साक्ष्य एवं सबूतों के पुलिस ने निर्दोष व्यक्ति को गिरफ्तार कर गंभीर आरोपों को साबित मानकर चालान भी पेश कर दिया गया। अधिवक्ता चन्द्रशेखर कच्छावा ने कोर्ट को यह भी बताया एफआईआर में तंत्र विद्या के नाम पर 15 लाख रुपए हड़पने का भी आरोप लगाया गया था।

इस संबंध में पीडित पक्ष ने कोई मजबूत सबूत ही पेश नहीं किए थे। आरोपी के तंत्र-मंत्र विद्या जानने के संबंध में भी पत्रावली में कोई साक्ष्य पेश नहीं हैं। पुलिस ने आरोपी के घर जाकर भी कोई अनुसंधान नहीं किया। द्वेषपूर्ण कार्रवाई के स्पष्ट आरोप होने के बाद भी एक निरपराध को गंभीर अपराधों के आरोप लगाए गए थे। एडवोकेट चन्द्रशेखर कच्छावा ने कहा कि कथित लैंगिक घटना एवं तंत्र-मंत्र विद्या बाबत पत्रावली में लेशमात्र भी साक्ष्य पेश नहीं हुई हैं। अभियोजन गवाहों ने अंधविश्वास के पराभूत होकर भूत-प्रेतों के विषयगत तथ्य वर्णित किए थे। मौखिक एवं दस्तावेजी साक्ष्य के अनुसार उसने कोई अपराध ही कारित नहीं किया था। अभियोजन पक्ष आरोपित अपराधों को साबित करने में पूर्णतः असफल रहा हैं, लिहाजा किशन लाल को दोषमुक्त घोषित किया जाए।

होम्योपैथी की दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

जयपुर(रॉयल पत्रिका)।

जयपुर. होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया राजस्थान शाखा के तत्वावधान में होम्योपैथिक की दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में शुक्रवार से शुरू होगी,जो 29 दिसम्बर तक चलेगी। संगोष्ठी में देश-विदेश से लगभग 1000 होम्योपैथिक चिकित्सक भाग लेंगे। संगोष्ठी में होम्योपैथी चिकित्सा शास्त्र की होम्योपैथिक चिकित्सा में आने वाली चुनौतियां व उनका समाधान के बारे में होम्योपैथिक चिकित्सा शास्त्र के विद्वान चर्चा करेंगे। आयोजक संयोजक डॉक्टर पंकज शर्मा ने बताया किसंगोष्ठी में होने वाले 8 सत्रों में होम्योपैथिक क्षेत्र के विद्वान व वैज्ञानिक आधुनिक युग की बीमारियों जैसे डायबिटीज, उच्च रक्तचाप व कैंसर इत्यादि जैसी गंभीर रोगों पर अपने अनुभव साझा करेंगे तथा समाधान भी बताएंगे। इस मौके पर होम्योपैथी मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की वार्षिक कार्यकारिणी की बैठक भी होगी जिसमें भारत में होम्योपैथिक चिकित्सा शिक्षा में किए जाने वाले नवाचार राजस्थान में होम्योपैथिक के विकास के लिए नए अस्पताल हर उप स्वास्थ्य केंद्र तक खुलवाने के लिए राज्य सरकार को अपना ज्ञापन भी प्रेषित करेंगे। आयोजन अध्यक्ष रविंद्र जैन ने बताया कि राजस्थान में आयोजित हुए राइजिंग राजस्थान में आयुष विभाग के अधीन होम्योपैथिक औषधि निर्माता को विशेष छूट प्रदान करनी चाहिए थी।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी ने चार परियोजनाओं का उद्घाटन व दो का शिलान्यास किया

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को यहां कोसली विधानसभा क्षेत्र में 23 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली छह विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। एक आधिकारिक बयान में यहां बताया गया कि 20.53 करोड़ रुपये की लागत वाली चार परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया और 2.51 करोड़ रुपये की लागत वाली दो परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। बयान के अनुसार उद्घाटन की गई परियोजनाओं में बोहका में 33 केवी सबस्टेशन, धवाना को मंडोला से जोड़ने वाली सड़क, बोहतवास अहीर में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और लिलोध में एक माध्यमिक विद्यालय भवन शामिल हैं। इसके अनुसार गुगोड़-तुम्बाहेड़ी सड़क और मुस्सेपुर से हालुहेड़ा संपर्क सड़क परियोजना का शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि आवश्यक मानदंडों को पूरा करने के बाद डहीना खंड को उप-मंडल का दर्जा मिलेगा। सैनी ने इस मौके पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने किसानों के हित में कई निर्णय लिए हैं, जिनमें राज्य के किसानों की फसलों की एमएसपी पर शत-प्रतिशत खरीद सुनिश्चित करना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पूरे हरियाणा में समान विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी भारत को तीव्र विकास के पथ पर ले गए : माझी

भुवनेश्वर , एजेंसी। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बुधवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी अपने कुशल नेतृत्व और निर्णायक फैसलों से देश को तीव्र विकास के मार्ग पर ले गए। अटल जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले सुशासन दिवस के अवसर पर माझी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने देश और ओडिशा में विकास का एक नया अध्याय जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, ÷स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत गांवों तक सड़क संजाल का विस्तार जैसी बड़ी परियोजनाएं उनके विकासात्मक कार्यों को दर्शाती हैं, जबकि पोखरण-द्वितीय और करगिल युद्ध जैसे निर्णायक कदम उनके साहस को बयां करते हैं।÷ माझी ने कहा कि वाजपेयी ने भुवनेश्वर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की आधारशिला रखी, पारादीप में एक तेल शोधक कारखाने की स्थापना की और ईस्ट कोस्ट रेलवे (ईसीओआर) डिवीजन का निर्माण किया, जिसका मुख्यालय भुवनेश्वर में है। उन्होंने कहा कि वाजपेयी ने ओडिशा की जनजातीय संथाली को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करके आधिकारिक मान्यता भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री 1999 में उस समय भी ओडिशा के लोगों के साथ खड़े थे, जब राज्य में एक भीषण चक्रवाती तूफान की वजह से भारी तबाही मची थी।

आंध्र के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और राज्य की प्रमुख परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता मांगी तथा प्रस्तावित आर्सेलर मित्तल इस्पात संयंत्र पर भी चर्चा की।
तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख नायडू ने 45 मिनट की मुलाकात के दौरान पोलावरम सिंचाई परियोजना और राजधानी शहर अमरावती के विकास के लिए वित्तीय सहायता देने के वास्ते मोदी को धन्यवाद दिया। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, उन्होंने बताया कि दोनों परियोजनाओं पर काम फिर शुरू हो गया है। नायडू ने राज्य के सामने मौजूद वित्तीय चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जिसमें पिछली सरकार द्वारा 94 केन्द्र प्रायोजित योजनाओं के धन का अन्यत्र इस्तेमाल शामिल है। उन्होंने राज्य के लिए विशेष सहायता का अनुरोध किया। प्रस्तावित आर्सेलर मित्तल इस्पात संयंत्र के संबंध में नायडू ने कच्चे माल की आपूर्ति के लिए केंद्रीय सहायता और शीघ्र मंजूरी का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने 'विकसित भारत' कार्यक्रम के अनुरूप 'स्वर्णांध्र विजन-2047' दस्तावेज प्रस्तुत किया। उन्होंने आगामी शिलान्यास समारोहों और परियोजनाओं के उद्घाटनों की योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया।

तेलंगाना: प्रिंसिपल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने 18 किलोमीटर पैदल चले बच्चे

गडवाल , एजेंसी। एक सरकारी स्कूल के छात्रों ने प्रिंसिपल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए 18 किलोमीटर पैदल चलकर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई. वहीं कलेक्टर ने छात्रों की शिकायतों के बारे में जानकारी लेते हुए छात्रों को मामले की जांच का आश्वासन दिया है.

जोगुलम्बा गडवाल जिले के एक सरकारी स्कूल के छात्रों ने स्कूल के प्रिंसिपल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए अनूठा मार्ग अपनाया. बताया जा रहा है कि एर्रावल्ली मंडल के बीचुपल्ली स्थित सरकारी बालकों के गुरुकुल स्कूल के करीब 200 छात्र मंगलवार को स्कूल की बाड़ फांदकर जिला कलेक्ट्रेट तक पदयात्रा पर निकल पड़े और अपने प्रधानाचार्य श्रीनिवास के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई. छात्रों ने प्रिंसिपल पर उत्पीड़न, शारीरिक दंड और उनकी बुनियादी जरूरतों की उपेक्षा का आरोप लगाया. छात्रों ने कहना था सिपल ने अनुशासन के नाम पर उनके साथ शारीरिक दुर्व्यवहार किया और नियमित रूप से मारपीट की. उन्होंने आगे शिकायत की

कि स्कूल में अपर्याप्त शौचालयों के कारण उन्हें खुले क्षेत्रों का उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ता है. छात्रों ने उचित अध्ययन सामग्री की कमी और घटिया शिक्षा के बारे में भी शिकायत की. उन्होंने आगे आरोप लगाया कि भोजन निर्धारित मेन्यू के अनुसार नहीं परोसा जा रहा था. छात्रों ने स्कूल प्रशासन पर सीटें बेचने का भी आरोप लगाया. गडवाला विधायक कृष्णमोहन रेड्डी ने वीरपुरम मंच पर छात्रों से मुलाकात की और उन्हें समर्थन का आश्वासन दिया. साथ ही इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कलेक्टर से संपर्क किया. हालांकि इटिक्याला पुलिस और राजस्व कर्मचारियों द्वारा हस्तक्षेप किए जाने के प्रयासों के बाद भी छात्रों ने अपना मार्च जारी रखा. इस बीच, प्रिंसिपल श्रीनिवास ने आरोपों से इनकार करते हुए दावा किया कि उन्होंने छात्रों को बिना अनुमति के स्कूल परिसर छोड़ने और अनुचित व्यवहार करने के लिए अनुशासित किया था. श्रीनिवास ने कहा कि एक छात्र को अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत ट्रांसफर सर्टिफिकेट जारी किया गया था और उन्होंने उत्पीड़न के दावों का खंडन करते हुए कहा कि उनकी कार्रवाई अनुशासन बनाए रखने के हित में थी.

जब तक ईवीएम छेड़छाड़ का ठोस सबूत नहीं, तब तक आरोप लगाना सही नहीं: सुप्रिया सुले

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद महाविकास अघाड़ी के नेता ईवीएम पर लगातार सवाल उठा रहे है। इसी बीच एनसीपी (शरद पवार गुट) की नेता और सांसद सुप्रिया सुले ने ठोस सबूतों की बात की है। सुप्रिया सुले ने ईवीएम पर लगाए गए आरोपों को नकारते हुए कहा कि जब तक इसके खिलाफ छेड़छाड़ के ठोस सबूत नहीं मिलते, तब तक ईवीएम को दोष देना गलत है। ईवीएम के खिलाफ कोई भी आरोप तभी उचित हो सकते हैं जब उसके बारे में ठोस और विश्वसनीय प्रमाण उपलब्ध हों। मैं खुद ईवीएम से चार बार चुनाव जीत चुकी हूं। सुप्रिया सुले ने आगे कहा कि ओडिशा के बीजू जनता दल (बीजेडी) और आम आदमी पार्टी (आप) जैसे कुछ राजनीतिक दलों ने ईवीएम में छेड़छाड़ के आरोपों को साबित करने के लिए डेटा होने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि बीजेडी के नेता अमर पटनायक ने मंगलवार को उन्हें एक पत्र लिखा था, जिसमें ईवीएम के इस्तेमाल के खिलाफ कुछ डेटा साझा किया गया था। हालांकि इस डेटा के बारे में पत्र में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई थी। सुप्रिया सुले ने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाने और जोड़ने पर आपत्ति जताई है। केजरीवाल का यह आरोप था कि वोटर लिस्ट में नामों को बिना उचित कारण के हटाया और जोड़ा जा रहा है, जिससे चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। मैं यहीं कह सकती हूं कि कुल मिलाकर माहौल परेशान करने वाला है। चाहे कोई तकनीकी समस्या हो या मतदाता सूची से जुड़ी कोई बात हो, इन बातों का जवाब बिना चर्चा के नहीं दिया जा सकता है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने चुनाव आयोग पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ईसीआई को खुद साबित करना चाहिए कि वो चोर नहीं हैं। जरूरत नहीं है कि आप चोर हैं। यह आपकी जिम्मेदारी है। महाराष्ट्र की जनता बीजेपी के खिलाफ है और उनकी चोरी हर गांव और शहर में उजागर हो चुकी है। जनता की अदालत में बीजेपी का पर्दाफाश हो चुका है।

इंडो-इंटरनेशनल आइकन अवार्ड्स 2024 से नवाजी गई कई प्रतिभाएं और विभूतियां

नई दिल्ली , ग्रुप 5 संवाददाता। अपने अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रही प्रतिभाओं और विभूतियों को एक सार्थक मंच प्रदान करने के मकसद से इंडो-इंटरनेशनल आइकन ÷अवार्ड्स 2024 सीजन-2÷ समारोह का भव्य आयोजन किया गया। मानव अधिकारों के लिए काम कर रही संस्था इंटरनेशनल इक्विटेबल ह्यूमन राइट्स सोशल काउंसिल की ओर से मुंबई के मेयर्स हॉल जुहू लेन अंधेरी वेस्ट में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए दर्जनों प्रतिभाओं और विभूतियों को इंडो-इंटरनेशनल आइकन अवार्ड्स 2024 से नवाजा गया और उनका हौसला बढ़ाया गया। ज्ञात हो कि इस दौरान ह्यूमन राइट्स वर्कशॉप का भी आयोजन किया गया, जिसे मुंबई हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता रवि जाधव, मीडिया पर्सनैलिटी और संस्था के चेयरमैन संजय सिन्हा, माइनोरिटी के अध्यक्ष मोहम्मद इरफ़ान अहमद ने संबोधित किया और कहा कि ह्यूमन राइट्स के प्रति लापरवाह रहने की बजाए जागरूक और सजग रहें। दुर्भाग्य की बात ये है कि आज तेजी से मानवाधिकारों का हनन हो रहा है। इसे रोकने के लिए देश-दुनिया के लोगों को जागरूक होना होगा।

मुख्य अतिथि महाराष्ट्र सरकार के इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एवं संस्कृति कार्य मंत्री, भाजपा मुंबई के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट आशिष शेलार, आईआरएस आशीष देहरिया, आईएएस डॉक्टर संजीव कुमार, फिल्म अभिनेता राजेश मिश्रा, राजू रहिकवार, इमरान खान, जाहिद अली, चुन्नू मेहरा, कथक नर्तकी जयंतीमाला मिश्रा, डॉक्टर अतुल कुमार शाह, डॉक्टर आबिद अबरार, अक्षय ठक्कर, कवियित्री/शायरा सविता असीम, वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद वजीहउद्दीन, रईस शैख, हैदर अब्बास चांद आदि अतिथियों ने भी ह्यूमन राइट्स से संबंधित तथ्यों को उजागर किया।

इस भव्य दिव्य प्रोग्राम के आखिर में सामुहिक राष्ट्रगान के साथ समापन हुआ

शरद पवार ने 8 और 9 जनवरी को बुलाई बैठक, पार्टी की आगामी रणनीतियों पर होगी चर्चा

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद एनसीपी (शरद पवार गुट) ने 8 और 9 जनवरी को एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। यह बैठक विधानसभा चुनावों के बाद की स्थिति पर चर्चा करने के लिए आयोजित की जा रही है। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया जाएगा, जिसमें चुनाव परिणामों के बाद की स्थिति, पार्टी की आगामी रणनीतियों पर चर्चा होने की उम्मीद है। शरद पवार और पार्टी के अन्य नेताओं इस बैठक में हिस्सा लेंगे।

8 जनवरी को सभी प्रकोष्ठों, विधायकों,सांसदों और विभागाध्यक्षों की बैठक होगी, वहीं 9 जनवरी को जिला अध्यक्षों और शहर अध्यक्षों को भी बैठक में आमंत्रित किया गया है। इस बैठक में पार्टी के स्थानीय स्तर पर संगठन को मजबूत करने, आगामी चुनावी तैयारियों और राज्य में पार्टी की स्थिति पर विचार किया जाएगा। विधानसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र निकाय चुनाव को लेकर सभी दल एक्शन में नजर

आ रहे है। ऐसे में एनसीपी (एसपी) की यह बैठक अहम मानी जा रही है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने ईवीएम छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। जिसको लेकर इन दिनों प्रदेश की राजनीति गर्म है। इसी बीच शरद पवार की बेटी और एनसीपी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ÷मुझे लगता है कि जब तक मेरे पास कुछ ठोस सबूत नहीं हैं, तब तक आरोप लगाना मेरे लिए सही नहीं है। मैंने एक ही ईवीएम से चार चुनाव जीती हूं। आपको बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिला है। महायुति में शामिल भाजपा ने 132, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 57 और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने 41 सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं महाविकास अघाड़ी गठबंधन में कांग्रेस के खाते में 16 सीटें आई तो वहीं एनसीपी शरद पवार गुट ने 10 सीटों पर जीत हासिल की। इसके अलावा शिवसेना उद्धव गुट ने 20 सीटों पर जीत दर्ज की।

ओबीसी कोटे पर फैसला होने के बाद महाराष्ट्र निकाय चुनाव अप्रैल 2025 तक हो सकते हैं : मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले

नागपुर , एजेंसी। महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि अगर उच्चतम न्यायालय जनवरी के पहले सप्ताह में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण पर अपना फैसला दे देता है तो राज्य में स्थानीय निकायों के लंबित चुनाव मार्च-अप्रैल 2025 में होंगे। बावनकुले ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ओबीसी के लिए कोटे पर सुनवाई जनवरी के पहले सप्ताह में शीर्ष अदालत में सूचीबद्ध है। राजस्व मंत्री ने कहा, ''राज्य चुनाव आयोग चुनाव कराएगा और राज्य सरकार पूरी सहायता प्रदान करेगी।''

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) सहित अधिकांश नगर निगमों और राज्य के अन्य स्थानीय निकायों का पांच साल का कार्यकाल 2022 में समाप्त हो रहा है। उच्चतम न्यायालय ने दिसंबर 2021 में फैसला दिया था कि स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए आरक्षण की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि सरकार शीर्ष अदालत के 2010 के आदेश में निर्धारित 'तीन कसौटियों' को पूरा नहीं करती। तीन कसौटियों के लिए राज्य सरकार को प्रत्येक स्थानीय निकाय में ओबीसी के पिछड़ेपन पर

आंकड़े एकत्र करने के लिए एक समर्पित आयोग स्थापित करने की आवश्यकता थी।

ताकि आयोग की सिफारिशों के आलोक में प्रत्येक स्थानीय निकाय में आरक्षण का अनुपात तय किया जा सके, तथा यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसा आरक्षण एससी/एसटी/ओबीसी के लिए आरक्षित कुल सीटों के 50 प्रतिशत से अधिक न हो। बावनकुले ने कहा कि ऐसी शिकायतें मिली हैं कि महाराष्ट्र में वक्फ बोर्ड ने निजी धर्मार्थ न्यासों और शैक्षणिक संस्थानों की कई संपत्तियों पर जबरन कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा, '' वक्फ (संशोधन) विधेयक संसद से पारित किये जाने के बाद उसे महाराष्ट्र में लागू किया जाएगा। यदि कोई गलती हैं, तो उन्हें सुधारा जाएगा।''

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को उनकी जमीन के स्वामित्व के लिए ई-संपत्ति कार्ड प्रदान करने के लिए गांवों की आबादी का सर्वेक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में सुधारित प्रौद्योगिकी के साथ मानचित्रण (स्वामित्व) के तहत 2021 में गांवों का ड्रोन सर्वेक्षण करने की प्रक्रिया शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि 30,515 गांवों में से 15,327 गांवों में ई-प्रॉपर्टी कार्ड तैयार हो चुके हैं और जल्द ही वितरित कर दिए जाएंगे।

प्रख्यात मलयालम लेखक और फिल्म निर्देशक एमटी वासुदेवन का निधन

कोझिकोड, एजेंसी। प्रख्यात मलयालम लेखक और ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता एम टी वासुदेवन नायर का निधन हो गया है. वे 91 साल के थे और पिछले कई दिनों से बीमार थे. उन्होंने कोझिकोड के एक प्राइवेट अस्पताल में अंतिम सांस ली. सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद वासुदेवन को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और इलाज के दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा. उनका निधन मलयालम सिनेमा और साहित्य के लिए एक अपूरणीय क्षति है.

एमटी के नाम से मशहूर, वे एक प्रशंसित भारतीय लेखक, पटकथा लेखक और फिल्म निर्देशक थे. वे आधुनिक मलयालम साहित्य में एक विपुल और बहुमुखी लेखक थे. उन्हें स्वतंत्रता के बाद के भारतीय साहित्य के दिग्गजों में से एक माना जाता है. एमटी ने सात फिल्मों का निर्देशन किया और लगभग 54 फिल्मों की पटकथा लिखी. उन्होंने ओरु वडक्कन वीरगाथा (1989), कदवु (1991), सदायम (1992) और परिणयम (1994) के लिए चार बार सर्वश्रेष्ठ पटकथा का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता, जो पटकथा श्रेणी में एक रिकॉर्ड है. 2005 में, उन्हें भारत के तीसरे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किया गया. एमटी वासुदेवन नायर को कई प्रतिष्ठित अवार्ड भी मिले, जिनमें केंद्र साहित्य अकादमी पुरस्कार, वायलार पुरस्कार, वलाथोल पुरस्कार, एजुथाचन पुरस्कार, मातृभूमि साहित्य पुरस्कार और ओएनवी साहित्यिक पुरस्कार शामिल है.

फरीदाबाद में बीच बाजार चाकू से 14 बार हमला कर 11वीं के छात्र की हत्या, 10 अरेस्ट

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में दिनदहाड़े भरे बाजार में 11वीं कक्षा के छात्र की चाकू से 14 बार ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मूलरूप से उत्तर प्रदेश के कासगंज स्थित गांव बेरौची निवासी 20 वर्षीय अंशुल के रूप में हुई है। पुलिस ने इस केस में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पीड़ित के परिवार ने विरोध प्रदर्शन कर पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। पीड़ित के परिजनों का कहना था कि कुछ दिनों पहले उनके बच्चे को इंस्टाग्राम पर जान से मारने की धमकियां मिलीं थीं। इसकी शिकायत की गई थी लेकिन पुलिस ने उसे गंभीरता से नहीं लिया। पीड़ित की बहन अंजलि ने बताया कि मंगलवार को वह और उसका भाई अंशुल बसेलवा कॉलोनी की गली नंबर-11 में एक दुकान पर समोसा खरीदने के लिए जा रहे थे। लेकिन, अंशुल गली नंबर 13 के कोने पर रुककर दोस्तों से साथ बात करने लगा था। इसी दौरान हिमांशु और रोहित पुरानी रंजिश को लेकर अपने साथी रूपेश, राहुल, कर्ण कोली, सोहिल खान, वंश, दीपक, साजिद, जतिन व हर्ष के साथ मिलकर गली नंबर 13 में खड़े अंशुल पर चाकू से हमला कर दिया।

आरोपियों ने अंशुल पर चाकू से 14 बार वार किए। अंशुल की चीख सुनकर उसकी बहन अंजलि और आस-पास के लोग भागकर बचाने के लिए मौके पर पहुंचे। उन्हें देखकर सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। अंजलि ने बताया कि अंशुल को गंभीर हालत में पास स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां देर रात डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। अंजलि की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

मृतक की बहन अंजलि ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया है कि वह बसेलवा कॉलोनी के गली नंबर आठ में परिवार के साथ किराए के मकान में रहती है। वह एक निजी एक्सपोर्ट कंपनी में काम करती है। अंशुल उसका छोटा भाई था। वह एक निजी स्कूल में 11वीं कक्षा में पढ़ता था। कुछ दिन पहले हिमांशु माथुर और रोहित धामा नामक युवकों के साथ किसी बात को लेकर अंशुल की

कहासुनी हो गई थी। मृतक के चचेरे भाई विनय कुमार और शुभम पुंडीर ने बताया कि हमलावर आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं। ये सभी सेक्टर 18 चुंगी के पास के रहने वाले हैं। इनके गैंग में 15-20 युवक शामिल हैं। इनका काम मारपीट, गली के लड़कों को धमकाना और चोरी करना है। वहीं पीड़ित के दोस्त अनमोल ने पुलिस को बताया कि आरोपी बसलेवा कॉलोनी में गुंडागर्दी करते थे और ड्रग्स बेचते थे। वे अक्सर इलाके की लड़कियों के साथ बदसलूकी करते थे। पीड़ित परिजनों का आरोप है कि अंशुल की मौत पुलिस की लापरवाही से हुई है। करीब पांच दिन मुख्य हमलावर हर्ष माथुर और रोहित धामा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो बनाकर अंशुल को जान से मारने की धमकी दी थी। आरोप है कि जब पीड़ित परिवार ओल्ड फरीदाबाद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करानी चाही तो वहां मौजूद पुलिस कर्मी उनकी शिकायत को नजरअंदाज कर दिए। साथ ही शिकायत भी नहीं ली। नतीजन बदमाशों ने अंशुल की हत्या कर दी।

पुलिस ने लिया 10 आरोपियों को हिरासत में लिया: पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में 10 आरोपियों को हिरासत में लिया है। डीसीपी क्राइम मकसूद अहमद के आदेश पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हर्ष, रोहित, हिमांशु, कर्ण, साजिद, रूपेश, करण, वासु, दीपक और जतिन हिरासत में लिया है। पुलिस हिरासत में लिए आरोपियों से पूछताछ कर रही है। मामले की जांच में ओल्ड फरीदाबाद थाना समेत दो क्राइम ब्रांच की टीम जुटी है। आरोपियों की हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

संक्षिप्त समाचार

किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड के वर्टिकल टर्बाइन पंप्स ने मध्य प्रदेश में जल प्रबंधन को बनाया आसान

सीहोर/शाजापुर। किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड (केबीएल) ने आईएसपी पार्वती माइक्रो लिफ्ट सिंचाई योजना के तहत जल प्रबंधन को नई दिशा दी है। इस परियोजना के जरिए इंदिरा सागर जलाशय से सीहोर और शाजापुर जिलों के 268 गांवों तक पानी पहुँचाया जा रहा है, जिससे 1 लाख हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि को लाभ मिल रहा है। इस परियोजना की सफलता का केंद्र हैं केबीएल के अत्याधुनिक वर्टिकल टर्बाइन (वीटी) पंप्स, जिन्हें नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण (एनवीडीए) के पार्वती पंपिंग स्टेशन पर स्थापित किया गया है। ये पंप्स उच्च दक्षता, बिना कंपन के संचालन और पानी की न्यूनतम क्षति सुनिश्चित करते हैं, जिससे यह बड़ी सिंचाई प्रणालियों के लिए बेहद टिकाऊ और विश्वसनीय साबित हो रहे हैं। मध्य प्रदेश सरकार और केबीएल के बीच यह सहयोग किसानों को सिंचाई के लिए स्थायी और निरंतर जल आपूर्ति उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वीटी पंप्स की स्थापना ने क्षेत्र के कृषि परिदृश्य को बदल दिया है, जिससे यहां की खेती को नया जीवन मिला है।

काइनेटिक ग्रीन ने बीना में नई डीलरशिप का उद्घाटन कर मप्र में अपना दायरा बढ़ाया

बीना, एजेंसी। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर बनाने वाली भारत की अग्रणी कंपनी, काइनेटिक ग्रीन एनर्जी एण्ड पावर लिमिटेड सॉल्यूशंस ने मध्यप्रदेश के सागर जिले के बीना में एक नई इ2डब्ल्यू डीलरशिप के शुभारंभ की घोषणा की है। यह भव्य शुभारंभ मध्यप्रदेश राज्य में अपनी उपस्थिति को बढ़ाने के लिये ब्रैंड की प्रतिबद्धता के लिये एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उद्घाटन समारोह में श्रीमती निर्मला सप्रे (विधायक, बीना), श्रीमती लता वानखेड़े (विधायक, सागर जिला), भूतपूर्व विधायक श्री महेश राय, श्री रामनिवास रावत (भूतपूर्व विधायक और मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री), प्रभु सिंह ठाकुर (मध्यप्रदेश सरकार के भूतपूर्व मंत्री), बीना के आरएसएस प्रमुख पंडित मुरारी गोस्वामी, विद्याभारती इंडिया के सचिव श्री महेश अग्रवाल, श्री संतोष ठाकुर (पार्षद), श्री वी. के. अग्निहोत्री, डॉ. नमिता अग्निहोत्री और श्री कार्तिकेय अग्निहोत्री उपस्थित हुए। इनके साथ काइनेटिक ग्रीन के प्रतिनिधि नवीन बिरला, श्री विकास कुलश्रेष्ठ, श्री हेमंत देवांगन और श्री रचित गौड़ भी थे। आयोजन की शोभा प्रमुख फाइनेंसर्स, राय बनाने में आगे रहने वालों और ग्राहकों ने भी बढ़ाई। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण से निपटने में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। बीना में काइनेटिक ग्रीन की नई डीलरशिप काफी जगह वाली है, जहाँ समर्पित भाव से सेवा दी जाती है। डीलरशिप में काइनेटिक ग्रीन के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स की रेंज को डिस्प्ले किया गया है। इसमें ई-लूना, ई-जुलू और ई-ज़िंग शामिल हैं, जो भारतीय उपभोक्ताओं की विशेष आवश्यकताएं पूरी करने के लिये बनाये गये हैं। यह मॉडल अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ बड़ी ही आसानी से सस्टेनेबिलिटी का संयोजन करते हैं। स्मार्ट तेजतर्रार और आकर्षक डिजाइन इनकी अनूठी खूबियों में शामिल है। डीलरशिप में फाइनेंस के कई बेहतरविकल्प भी उपलब्ध हैं, ताकि इ2डब्ल्यू का मालिक बनना ग्राहकों के लिये सुविधाजनक हो जाए।

साल 2025 में आएगी मंदी! कई देशों की आर्थिक स्थिति काफी संकट में

आर्थिक जानकारों ने मंदी के कई कारण बताए हैं

नईदिल्ली, एजेंसी। क्या दुनिया में फिर से मंदी आने वाली है? एक्सपर्ट ने दुनिया के आर्थिक हालातों को देखते हुए चिंता बढ़ा दी है। दुनिया के बड़े-बड़े एक्सपर्ट्स के मुताबिक साल 2025 में दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में आ सकती है। कई देशों की अर्थव्यवस्था में अभी से तनाव के संकेत दिखाई दे रहे हैं। भारत में कम होती जीडीपी भी कुछ ऐसा ही इशारा कर रही है। सीएनबीसी18 के मुताबिक जर्मनी और ब्रिटेन समेत दुनिया के कई देशों की अर्थव्यवस्था इस समय बुरे दौर से गुजर रही है। वहीं एनर्जी की कीमतों में तेजी, भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका व चीन के बीच व्यापार को लेकर तनातनी ने भी मंदी की आशंका को बढ़ा दिया है।

ये कारण बढ़ा रहे चिंता

डोनाल्ड ट्रंप जनवरी में अमेरिका का राष्ट्रपति पदभार संभालने जा रहे हैं। वह चीन समेत दुनिया के कई देशों पर टैरिफ बढ़ाने वाले हैं। इससे वैश्विक व्यापार और बाधित हो सकता है जिससे आर्थिक दबाव बढ़ सकता है।

टाली जा सकती है मंदी

ऐसा नहीं है कि इस वैश्विक मंदी को टाला नहीं जा सकता। जूलियस बेयर के भास्कर लक्ष्मीनारायण ने कहा, मंदी का कोई संकेत नहीं है। अगर बाजार और अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है तो मूल्य निर्धारण में कुछ तनाव हो सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि मंदी नहीं, बल्कि मुद्रास्फीति अमेरिका में बड़ी चिंता हो सकती है।

कई देशों पर मंदी की मार!

दुनिया के हर देश पर मंदी का साया मंडरा रहा है। ब्रिटेन की जीडीपी के आंकड़े काफी खराब आ रहे हैं। संशोधित जीडीपी आंकड़े 2024 की तीसरी तिमाही में शून्य वृद्धि दिखा रहे हैं। यह इस बात का संकेत है कि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था ठहर गई है। वहीं दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जापान भी मंदी से जूझ रहा है। कमजोर घरेलू मांग के कारण ऐसी स्थिति पैदा हुई। मंदी के कारण जापान में औसत घरेलू लोन की रकम औसत आय से ज्यादा हो गई है। इस मंदी से न्यूजीलैंड भी नहीं बचा है। जुलाई-सितंबर तिमाही में इसकी जीडीपी में एक फीसदी की गिरावट आई है। साल 1991 और कोविड बाद अब ऐसा हुआ है न्यूजीलैंड का आर्थिक प्रदर्शन इतना कमजोर रहा है।

अमेरिका पर भी संकट के बादल

आर्थिक मंदी से अमेरिका भी नहीं बच रहा है। हालांकि इस स्थिति में कुछ सुधार जरूर हुआ है।
गोल्डमैन सैक्स ने हाल ही में लचीले जॉब मार्केट का हवाला देते हुए अगले 12 महीनों में अमेरिकी मंदी की आशंका को 20 प्रतिशत के पहले के पूर्वानुमान से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। अमेरिका में मंदी की आशंका बेशक कम हुई हो, लेकिन खत्म नहीं हुई है।

2030 तक नए मकान खरीदने वालों में 60 फीसदी होगा मिलेनियल्स-जेनरेशन जेड का हिस्सा; रिपोर्ट में दावा

नईदिल्ली, एजेंसी। आवासीय बाजार में तेजी से 2030 तक नए मकान खरीदारों में मिलेनियल्स और जेनरेशन जेड की हिस्सेदारी 60 फीसदी होगी।?रियल एस्टेट सेवा फर्म जेएलएल ने एक रिपोर्ट में यह दावा किया है।?इसमें कहा गया है कि सस्ते वित्तपोषण विकल्पों और आवास बाजार में प्रवेश करने वाले युवाओं से रियल एस्टेट बाजार को समर्थन मिलेगा। शहरी क्षेत्रों में मकानों का मालिकाना औसत 2025 तक बढ़कर 72 फीसदी पहुंच जाएगा, जो 2020 में 65 फीसदी रहा था।?मिलेनियल्स का मतलब उस पीढ़ी है, जो 1981 से 1996 के बीच पैदा हुई।?जेनरेशन जेड 1990 के दशक के मध्य से लेकर और 2010 के दशक की शुरुआत के बीच पैदा हुए हैं।

इस साल 85 फीसदी अधिक मकान बिके- रिपोर्ट में कहा गया है कि सस्ते आवास की पहलों के साथ स्मार्ट मकानों की मांग से बाजार की रफ्तार बढ़ी है। देश में बजट के अनुकूल आवास एक प्रमुख फोकस बना हुआ है। 2023 में बिके मकानों की तुलना में 2024 में 85 फीसदी अधिक आवास बेचे गए हैं।

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली का अप्रूवल प्राप्त हुआ

मुंबई, एजेंसी। ग्लोबल स्तर पर एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिजाइन, विकास और निर्माण में अग्रणी एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीएसई- 532850, एनएसई-) ने घोषणा की है कि उसे अपनी जीपीएस स्थान-आधारित सार्वजनिक पता और यात्री सूचना प्रणाली और एसी और नॉन-एसी रेलवे डिब्बों में एलईडी डेस्टिनेशन बोर्ड के लिए क्षमता सह क्षमता आकलन का अप्रूवल प्राप्त हो गया है।

हाल ही में 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, कंपनी के संचालन से राजस्व 156.26 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के 1071.46 लाख रुपये से वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 2745.67 लाख रुपये हो गया। एबिटा 37.56 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के 281.24 लाख रुपये से वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 386.86 लाख रुपये हो गया। एबिटा मार्जिन वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के 2.79 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 13.97 प्रतिशत हो गया, जो 1118 आधार बिंदु की वृद्धि है। शुद्ध लाभ 8.18 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 196.52 लाख रुपये से वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 212.59 लाख रुपये हो गया।

कंपनी ने हाल ही में नया पूर्ण स्वामित्व वाला सहायक मिक डिजिटल इंडिया लिमिटेड को शामिल किया है। यह सहायक कंपनी सभी प्रकार के स्मार्ट मीटर, डिजिटल मीटर, छत पर लगे एसी पैकेज यूनिट्स, एकीकृत पावर सप्लाई सिस्टम, मिनी कंप्यूटर, माइक्रोप्रोसेसर आधारित सिस्टम और कंप्यूटर पेरिफेरल्स के निर्माण और व्यापार का कार्य करेगी। इसके अलावा, बोर्ड ने सदस्यों की मंजूरी के अधीन, 5 साल की अवधि के लिए नॉन-एग्जीक्यूटिव इंडिपेंडेंट केटेगरी में कंपनी के अतिरिक्त निदेशक के रूप में श्री पेनुमाका वेंकट रमेश की नियुक्ति को मंजूरी दे दी। श्री पीवी रमेश के पास एशिया पेसिफिक, यूरोप और अफ्रीका सहित क्षेत्रों में सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और कॉर्पोरेट उद्यमों में 40 वर्षों से अधिक का वरिष्ठ कार्यकारी नेतृत्व है। हाल ही में कंपनी ने घोषणा की थी कि उसे ईस्टर्न रेलवे जोन के मालदा डिवीज़न से ईस्टर्न रेलवे के मालदा मंडल के अभयपुर स्टेशन पर सीआईबी के प्रोविज़न हेतु स्वीकृति पत्र मिला है।

हाल ही में, कंपनी को अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत 14 स्टेशंस को पीएफ से जोड़ने के लिए 12 मीटर चौड़ा फुट ओवरब्रिज देने के संबंध में दूरसंचार सामग्री की सप्लाई, इंस्टालेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग हेतु वेस्टर्न रेलवे ज़ोन के रतलाम डिवीज़न से स्वीकृति पत्र मिला। एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड 1988 से एलईडी वीडियो डिस्प्ले, हाई-एंड इलेक्ट्रॉनिक और टेलीकम्युनिकेशन इक्विपमेंट और टेलीकॉम सॉफ्टवेयर के डिज़ाइन, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग में एक ग्लोबल लीडर है। यह एक आईएसओ 9001:2008 और आईएसओ 14001:2004 प्रमाणित कंपनी है, इसने एलईडी वीडियो, ग्राफिक्स और टेक्स्ट डिस्प्ले, एलईडी लाइटिंग सॉल्यूशंस, एंबेडेड, सिस्टम और टेलीकॉम सॉफ्टवेयर और कम्युनिकेशंस और इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स की डायनामिक फील्ड्स में एक मज़बूत उपस्थिति स्थापित की है। एमआईसी के प्रमुख प्रोडक्ट्स, एलईडी वीडियो डिस्प्ले (इनडोर, आउटडोर और मोबाइल), स्पोर्ट्स स्टेडियम्स, ट्रांसपोर्टेशन हब, डिजिटल थिएटर्स, थीम पार्क्स, एडवर्टाइजमेंट और पब्लिक इन्फॉर्मेशन डिस्प्ले का अभिन्न अंग बन गए हैं। भारत के सबसे तेजी से बढ़ते आईटी शहरों में से एक, हैदराबाद में इसका मुख्यालय है, एमआईसी की भारत के सभी प्रमुख महानगरीय क्षेत्रों में मार्केटिंग, सेल्स और सर्विस सपोर्ट सेंटर्स के विशाल नेटवर्क के माध्यम से देशव्यापी उपस्थिति है। कंपनी अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में भी अपने ऑपरेशंस का विस्तार कर रही है।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर का आवंटन किया

15 करोड़ रुपये जुटाए

मुंबई, एजेंसी। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (बीएसई- 511700), जो कि एक प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी है, ने घोषणा की है कि इसके बोर्ड ने निजी प्लेसमेंट के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) का आवंटन करते हुए 15 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी दे दी है हाल ही मे कंपनी द्वारा अपनी पूंजी संरचना को मजबूत करने और विकास की पहलों का समर्थन करने के लिए 5 बिलियन के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के सफल निर्गमन की घोषणा की थी। कुल राशि में से 1.3 बिलियन कंपनी के ऑपरेशन को बेहतर बनाने और विस्तार करने के लिए सफलतापूर्वक जुटाए गए और रणनीतिक रूप से अलॉट किए गए हैं। यह निवेश ऑपरेशन दक्षता को बढ़ाने, क्षमता बढ़ाने और कंपनी के निरंतर विकास को गति देने के उद्देश्य से है। इस इश्यूएंस पर टिप्पणी करते हुए, स्टैण्डर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के प्रबंधन ने कहा, इन एनसीडीस का सफल निर्गमन हमारे व्यावसायिक मॉडल और विकास की संभावनाओं में मजबूत निवेशक विश्वास का प्रमाण है। ऑपरेशन के लिए 1.3 बिलियन का उपयोग ऑपरेशन उत्कृष्टता को बढ़ाने और अपनी बाजार स्थिति को मजबूत करने के लिए हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है। हम अपने शेयरधारकों और ग्राहकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य प्रदान करने पर केंद्रित हैं।

कंपनी इस इश्यूएंस से प्राप्त शेष राशि का उपयोग विभिन्न रणनीतिक उद्देश्यों के लिए करेगी, जिसमें आगे विस्तार, कार्यशील पूंजी की आवश्यकताएं और मौजूदा देनदारियों में कमी शामिल है। स्टैण्डर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड को विश्वास है कि यह धन कंपनी को निरंतर विकास, नवाचार और बेहतर शेयरधारक मूल्य के लिए तैयार करेगा। बोर्ड ने निजी प्लेसमेंट के आधार पर एक या अधिक किश्तों में अधिकतम 50,000 सुरक्षित, गैर-सूचीबद्ध, अरेटेड, रिडीमेबल एनसीडीएस के इश्यूएंस को मंजूरी दी थी, जो कुल 500 करोड़ रुपये तक की राशि तक होगा। इससे पहले, कंपनी ने इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल प्राप्त करने के लिए स्कूलों और शैक्षिक संस्थानों के लिए एक शून्य-लागत श्वस्छ्व योजना की घोषणा की थी। यह पहल शिक्षण के तरीके में क्रांति लाने के लिए तैयार है, जो छात्रों और शिक्षकों को एक समृद्ध, तकनीक-संचालित शिक्षण अनुभव प्रदान करती है। स्टैण्डर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड वित्तीय सेवा क्षेत्र में एक अग्रणी कंपनी है। प्रत्येक ग्राहक की विशिष्टता को अपनाते हुए, कंपनी लगातार व्यक्तिगत, पेशेवर सेवाएं प्रदान करने का प्रयास करती है। यह सर्वोत्तम व्यावसायिक मानदंडों और प्रथाओं का कड़ाई से पालन करते हुए प्रत्येक ग्राहक के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को बनाए रखती है, हर बातचीत में गतिशीलता का प्रदर्शन करती है।

क्रेडिट कार्ड से किनारा कर रहे लोग! दिवाली के बाद खर्च में गिरावट

नईदिल्ली, एजेंसी। इस साल नवंबर में लोगों के क्रेडिट कार्ड से होने वाले खर्च में 16 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है। अब ये खर्च महज 1.70 लाख करोड़ रुपये रह गया है। अक्टूबर में बैंकों को क्रेडिट कार्ड से रेकॉर्ड 2.02 लाख करोड़ रुपये मिले थे। इसकी वजह ये थी कि अक्टूबर त्योहारों का महीना है। लेकिन दिवाली के बाद लोगों के क्रेडिट कार्ड से होने वाले खर्चे में कमी आई है। हालांकि पिछले साल नवंबर के मुकाबले इसमें 5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। लेकिन एक महीने पहले के 13 प्रतिशत से इजाफे की तुलना में ये बहुत कम है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के आंकड़ों से ये जानकारी सामने आई है।

इनकार्ड इक्विटीज की रिसर्च एनालिस्ट मेघना लूथरा का कहना है कि अक्टूबर में त्योहारों की अच्छी बिक्री के बाद नवंबर 2024 में क्रेडिट कार्ड से खर्च में कमी आई है। दुकानों पर हुए लेन-देन में 14 प्रतिशत की कमी आई है। जबकि ऑनलाइन खर्च महीने दर महीने 17.5 प्रतिशत घटा है। उन्होंने कहा कि त्योहारों की वजह से पहले ही खर्च बहुत ज्यादा था, इसलिए ये उम्मीद के मुताबिक ही है। हम आने वाले महीनों में इस ट्रेंड पर नजर रखेंगे कि आगे क्या होता है। भारत के तीसरे सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर के बैंक एक्सिस बैंक में नवंबर में क्रेडिट कार्ड से खर्च में सबसे ज्यादा (लगभग 24 प्रतिशत) गिरावट देखी गई। एसबीआई कार्ड्स और कोटक महिंद्रा बैंक के क्रेडिट कार्ड्स पर खर्च क्रमशः 21 प्रतिशत और 16.8 प्रतिशत घट गया। अक्टूबर के मुकाबले लेन-देन की संख्या में 9.1 प्रतिशत की कमी आई है।

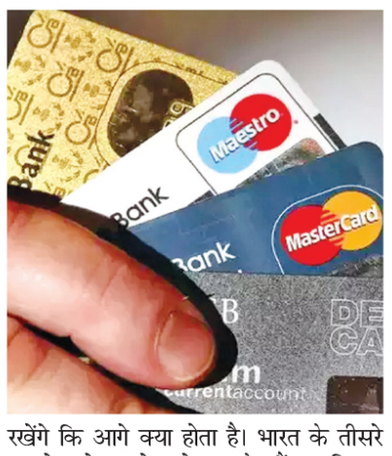

नए कार्ड जोड़ने की रफ्तार में कमी- आईडीबीआई कैपिटल के विश्लेषक बंटी चावला के अनुसार, क्रेडिट कार्ड के बकाया भुगतान में बढ़ती देरी के कारण निकट भविष्य में नए कार्ड जोड़ने की रफ्तार कम होने की उम्मीद है। नवंबर में एचडीएफसी बैंक का बाजार हिस्सा महीने दर महीने 30 बेसिस पॉइंट से बढ़ा, जबकि एसबीआई कार्ड्स का 90 बेसिस पॉइंट से घटा। आइसीआइसीआइ बैंक में 20 बेसिस पॉइंट की गिरावट आई। वहीं, एक्सिस बैंक के बाजार हिस्से में 120 बेसिस पॉइंट की कमी आई। इंडसइंड बैंक ने 50 बेसिस पॉइंट का बाजार हिस्सा बढ़ाया। बैंक नए कार्ड जारी करने में भी सतर्कता बरत रहे हैं। नवंबर में नए कार्ड सिर्फ 3,50,000 जोड़े गए, जो अक्टूबर के 7,80,000 से आधे से भी कम है। पिछले साल के मुकाबले नए कार्डों में 73 प्रतिशत की कमी आई है। नवंबर के अंत तक कुल एक्टिव क्रेडिट कार्ड की संख्या 10.72 करोड़ थी। इसकी वजह ये है कि क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली कंपनियां प्रीमियम कार्ड्स पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

खर्च करने की क्षमता में कमी का संकेत- त्योहारों के बाद खर्च में आई तेज गिरावट से पता चलता है कि उपभोक्ताओं की खर्च करने की क्षमता या इच्छा कम हो रही है।

ओला इलेक्ट्रिक ने ईवी क्रांति को नई ऊंचाई पर पहुंचाया

पूरे देश में 4,000 स्टोर्स तक का रिकॉर्ड बनाया

मुंबई एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक जो भारत की सबसे बड़ी ईवी कंपनी के नाम से जानी जाती है उसने आज अपने नेटवर्क को 4,000 स्टोर्स तक बढ़ाने की घोषणा करी जो मौजूदा नेटवर्क से चार गुना ज्यादा है। यह दुनिया में ईवी नेटवर्क के सबसे बड़े विस्तारों में से एक माना जा रहा है, इस विस्तार से यकीनन देश में ईवी तक लोगों की पहुंच आसान हो जाएगी और ईवी के क्षेत्र में बहुत बड़ा विकास होने की संभावनाएं भी काफी हद तक बढ़ जाएंगी साथ ही ईवी के प्रति भरोसा और उसे अपनाने को मजबूती भी मिलेगी।

कंपनी ने बड़े पैमाने पर ईवी अपनाने की अपनी प्रतिबद्धता के चलते 3,200 से भी ज्यादा नए स्टोर्स को लॉन्च किया है, जो सर्विस सुविधाओं के साथ जुड़े हुए हैं। ऐसा कर कंपनी ने टियर-1 और टियर-2 शहरों के अलावा छोटे छोटे कस्बों और तहसीलों तक अपनी पहुंच को बड़ी गहराई से बढ़ाया है। इस विस्तार के साथ ओला इलेक्ट्रिक ने अपने सेविंग वाला स्कूटर अभियान के तहत किए गए वादे को पूरा कर दिया है।

भविष अग्रवाल ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर ने बताया कि हमने जो वादा किया था, उसे आज पूरा कर दिखाया है। भारत के ईवी के सफर में आज का दिन बहुत बड़ा है, क्योंकि हमने अपने नेटवर्क का विस्तार हर शहर, हर कस्बे और हर तालुका तक कर दिया है। हमारे नए स्टोर्स, जो सर्विस सेंटर्स के साथ जुड़े हैं, उन्होंने ईवी खरीदने और उसे इस्तेमाल करने के अनुभव को पूरी तरह से बदल दिया है। सेविंग वाला स्कूटर अभियान के साथ हमने नए मानक स्थापित किए हैं। जैसे-जैसे हम उन्नत हो रहे हैं, हम इन्नोवेशन की सीमाओं को नया आयाम देने और देश को एंडआइसऐज की ओर तेजी से ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एस1 पोर्टफोलियो पर 25,000 तक का शानदार ऑफर्स- ओला इलेक्ट्रिक ने अपने नेटवर्क के बड़े विस्तार के सुनहरे मौके पर एस1 पोर्टफोलियो पर 25,000 रूपये तक के फायदे देने वाले आकर्षक ऑफर्स पेश किए हैं, जो कि सिर्फ 25 दिसंबर 2024 के ख़ास दिन के लिए ही उपलब्ध हैं। साथ ही ग्राहक अपने नजदीकी नए ओला स्टोर पर जाकर एस1 एक्स पोर्टफोलियो पर लगभग 7,000 रूपये तक की फ्लैट छूट का लाभ पा सकते हैं। इसके अलावा ग्राहक 18,000 रूपये तक के अतिरिक्त लाभ भी ले सकते हैं, जिसमें कुछ क्रेडिट कार्ड ईएमआई पर 5,000 रूपये और 6,000 रूपये के मूवओएस लाभ शामिल हैं।

लिमिटेड-एडिशन ओला एस1 प्रो सोना- ओला एस1 प्रो सोना को नेटवर्क के बड़े विस्तार के सुनहरे मौके पर लॉन्च किया गया है। यह असली 24 कैरेट गोल्ड प्लेटेड एलिमेंट्स के साथ पेश किया गया है। यह ग्राहकों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है और लोग रु ओला सोना कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेकर इस प्रीमियम लिमिटेड-एडिशन स्कूटर को घर ले जाने का बेहतरीन मौका पा रहे हैं।

विशाल फैब्रिक्स लिमिटेड का व्यापार विस्तार और विकास पर लक्ष्य

भारतीय टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए रणनीतियाँ तैयार की

अहमदाबाद, एजेंसी। विशाल फैब्रिक्स लिमिटेड (बीएसई- 538598), उच्च-गुणवत्ता वाले स्ट्रेच डेनिम कपड़े का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता, बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के कारण वैकल्पिक मेनूफेक्चरिंग केंद्रों की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव देख रहा है। अपनी मजबूत मेनूफेक्चरिंग क्षमताओं के लिए जाने जाने वाले भारत के कपड़ा केंद्र इस बदलाव के प्रमुख लाभार्थी के रूप में उभर सकते हैं। पुनर्संरचित सप्लाई चेन का संभावित लाभ सतत और पारदर्शी स्रोत प्रथाओं पर जोर देने वाले व्यापक रुझानों के साथ मेल खाता है। जिन क्षेत्रों में अच्छी इन्फ्रास्ट्रक्चर और मजबूत अनुपालन तंत्र हैं, उन्हें काफी फायदा हो सकता है

2025 तक, प्रमुख बाजारों जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और मध्य पूर्व में बढ़ती मांग से प्रेरित होकर, कपड़ा उद्योग में निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि देखने की उम्मीद है। भारत का कपड़ा निर्यात 2025 तक 45 बिलियन डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है, जो 2020 में 38 बिलियन डॉलर के आंकड़े से अधिक है। यह वृद्धि भारत की प्रतिस्पर्धी मेनूफेक्चरिंग लागत, कुशल श्रम शक्ति और अपनी निर्यात-अनुकूल नीतियों को मजबूत करने के प्रयास से प्रेरित है।

इससे पहले, कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही ओर पहली छमाही के लिए शानदार वित्तीय परिणाम घोषित किए थे। 30 सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही (स्वतंत्र) के लिए, परिचालन से राजस्व 38478.40 लाख रुपये पर बताया गया था। एबिटा में 41 प्रतिशत की सालाना वृद्धि हुई, जो 2165.06 लाख रुपये (Q2FY24) से बढ़कर 3052.13 लाख रुपये (Q2FY25) हो गई। एबिटा मार्जिन 7.93 प्रतिशत बताया गया। प्रॉफ़िट बीफॉर टैक्स में 92 प्रतिशत की सालाना वृद्धि होकर 1201.62 लाख रुपये हो गई, और शुद्ध लाभ 649.56 लाख रुपये पर बताया गया, जो सालाना 46 प्रतिशत की वृद्धि है। 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छमाही (स्वतंत्र) के लिए, परिचालन से राजस्व 72740 लाख रुपये पर बताया गया था।

पर्सनल लाईफ को लेकर स्नेहा ने किया खुलासा

हिंदी सिनेमा में कई ऐसे सितारे रहे हैं, जिनके हमशक्ल के काफी चर्चे रहे हैं। इंडस्ट्री में भी कई ऐसे एक्टर्स हैं, जिनकी शक्ल सेम लगती है और उनके नामों की काफी चर्चा रही है। इसमें एक नाम ऐश्वर्या राय और स्नेहा उल्लाल का है। स्नेहा ने जब फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था तो ऐश्वर्या से शक्ल मिलने की वजह से काफी लाइमलाइट में रही थीं। उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में लाने वाला भी कोई और नहीं बल्कि सलमान खान ही थी। ऐसे में अब वो अपने एक वीडियो को लेकर फिर से हेडलाइन्स में हैं, जिसमें वो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बात कर रही हैं और कह रही हैं कि 'काश मेरे होते' वाले लड़के तो बहुत हैं लेकिन, अफसोस कि वो अपने हो नहीं सकते कभी। चलिए बताते हैं एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा।

दरअसल, स्नेहा उल्लाल ने कुछ समय पहले ही लहरें से बात की थी। इस दौरान का उनका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें एक्ट्रेस को अपनी लाइफ को लेकर बातें करते हुए देखा जा सकता है। साल 2009 में स्नेहा की एक फिल्म 'काश मेरे होते' और 2005 में 'लकी- नो टाइम फोर लव' आई थी। अब वीडियो में इन दिनों ही फिल्मों के टाइटल को लेकर बात कर रही हैं कि उनकी रियल लाइफ में भी कुछ ऐसा रहा था?

स्नेहा कहती हैं, 'मेरी लाइफ में ऐसा रहा है कि हमेशा मेरे पास लड़के आए थे। मेरी रियल लाइफ में कभी मैं किसी लड़के के पास नहीं गई। बल्कि वो लोग हमेशा मेरे पास आए हैं। मेरे साथ ऐसा नहीं हुआ है और ना ऐसा होगा।' इस दौरान उनसे पूछा गया, 'आपकी लाइफ में कोई ऐसा है, जिसके लिए हम कह सकें काश मेरे होते?' इस पर अभिनेत्री ने कहा, 'मेरी लाइफ में काश मेरे होते बहुत हैं पर वो होंगे नहीं। क्योंकि ये जो हैं वो कभी मेरे हो नहीं सकते हैं, जिनके लिए मैं ये सब ऐसा कहती हूं वो सब हॉलीवुड एक्टर हैं और वो कभी मेरे हो ही नहीं सकते हैं तो ये वर्थलेस टॉपिक है इस पर बात करने का कोई मतलब नहीं है।'

सलमान खान के लिए क्या बोलीं स्नेहा उल्लाल?

इसके अलावा इस दौरान स्नेहा उल्लाल के जवाब के बाद उनसे पूछा गया, 'क्या सलमान खान भी नहीं हैं?' इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'वो तो पहले 'लकी- नो टाइम फोर लव' मेरे हो चुके हैं तो नेक्स्ट चाहिए ना।' इसके बाद वो हंसने लगती हैं।

कहां हैं स्नेहा उल्लाल?

बहरहाल, अगर स्नेहा उल्लाल के बारे में बात की जाए कि वो कहां हैं तो एक्ट्रेस को ऑक्टोइम्यून डिसऑर्डर नाम की बीमारी हो गई थी। इसकी वजह से वो चार सालों तक पैरों पर खड़ी नहीं हो पाई थीं। ये ब्लड से जुड़ी बीमारी होती है। हालांकि, अब वो पूरी तरह से ठीक हैं। साल 2022 में एक्ट्रेस को फिल्म 'लव यू लोकतंत्र' में देखा गया था। इससे उन्होंने कमबैक किया था। लेकिन, स्नेहा को एक्टिंग के दम पर कोई खास पहचान नहीं मिल पाई। उन पर बस ऐश्वर्या राय की हमशक्ल का टैग लग रह गया।

स्नेहा उल्लाल से जुड़ी खबर तो आपने पढ़ ली। इसके साथ ही आप उनकी एक और खबर पढ़ सकते हैं, जब लगातार ऐश्वर्या राय से तुलना पर सलमान खान ने स्नेहा सलाह दी थी।

रेप केस में फंसे कोरियोग्राफर की तारीफ कर फंसीं कियारा

कियारा जल्द ही राम चरण के साथ फिल्म गेम चेंजर में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म 10 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी। हाल ही में फिल्म का गाना 'धोप' जारी किया गया। इसी बीच, कियारा ने इस गाने के डांस रिहर्सल का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें कोरियोग्राफर मास्टर जानी का जिक्र था, जो रेप के आरोपी हैं। इसके बाद यूजर्स कियारा पर बुरी तरह भड़क गए। हालांकि, बाद में कियारा ने अपना कैप्शन बदल दिया। दरअसल, कियारा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, 'मुझे याद है जब मैंने मास्टर जानी की कोरियोग्राफी देखी थी, तो मुझे लगा था कि हम इसे कैसे करेंगे, लेकिन यही हमारे काम की खास बात है कि हम हमेशा कुछ नया सीखते रहते हैं।'

कृति ने रूमर्ड बॉयफ्रेंड संग कंफर्म किया रिश्ता!

➤ *संग में सेलिब्रेट किया क्रिसमस*

देशभर में यानी कि 25 दिसंबर को क्रिसमस सेलिब्रेट किया गया। इस खास मौके पर लोग और सेलेब्स तक दोस्तों और परिवार के साथ जश्न मना रहे हैं। बॉलीवुड से लेकर साउथ और भोजपुरी स्टार्स के बीच इसकी खूब धूम देखने के लिए मिली है। इसी बीच अब एक्ट्रेस कृति सेनन के लिए इस साल 2024 का क्रिसमस बेहद ही खास हो गया। अभिनेत्री ने अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ क्रिसमस को सेलिब्रेट किया है। इस सेलिब्रेशन की तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें उनके साथ भारतीय क्रिकेटर एमएस धोनी को भी साथ में देखा जा सकता है। कृति सेनन ने क्रिसमस सेलिब्रेशन की फोटोज को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें सभी फोटोज में एमस धोनी सीक्रेट सांता बने नजर आ रहे हैं। वहीं, फोटोज में धोनी की वाइफ साक्षी और उनकी बेटी भी नजर आ रही हैं। इसके साथ ही इसी में से एक तस्वीर में कृति ने पैरों की फोटोज भी शेयर की है, जिसमें उनका पैर तो दिख ही रहा है साथ ही मेल पैर भी है, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर कयास लगाए जा रहे हैं कि ये कबीर बहिया के पैर हैं, जिसके बाद सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई कि एक्ट्रेस ने क्रिसमस के मौके पर अपनी रिश्ते पर मुहर लगा दी है। कृति सेनन के रिश्ते को ऑफिशियल माने जाने की दो वजहें बताई जा रही है। इसमें एक तो पैर वाली फोटो है और दूसरी तरफ एमएस धोनी का इस सेलिब्रेशन में साथ होना वो भी फैमिली के साथ एमएस धोनी और उनकी फैमिली के साथ कृति को काफी क्लोज देखा जा सकता है। इसी वजह से सोशल मीडिया पर एक बार फिर से कृति सेनन की पर्सनल लाइफ की खबरों ने तूल पकड़ लिया है। इसे लेकर लोगों का कहना है कि एक्ट्रेस ने अपने रिश्ते को कंफर्म कर दिया है। हालांकि, उनकी ओर से रिश्ते को लेकर कुछ ना तो लिखा गया है और ना ही कुछ कहा गया है। बस तस्वीर से एक छोटा सा इशारा है। ऐसे में कृति के फैंस को अभी उनके ऑफिशियल स्टेटमेंट का और इंतजार करना होगा।

'अर्जुन उस्तरा' से बाहर होने के बाद

कार्तिक का करियर संकट में

इस साल होली के तुरंत बाद जिस एक फिल्म के रंग सबसे ज्यादा हिंदी सिनेमा में बिखरने की उम्मीद दर्शकों को रही, वह फिल्म थी 'अर्जुन उस्तरा'।

फिल्म 'चंदू चैंपियन' की रिलीज से पहले निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने अपने चहीते कलाकार कार्तिक आर्यन के साथ ये तीसरी फिल्म बनाने का फैसला किया था लेकिन 'चंदू चैंपियन' ने जिस तरह साजिद के पैसे बॉक्स ऑफिस पर डुबोए, उसके बाद ही फिल्म 'अर्जुन उस्तरा' से कार्तिक की छुट्टी कर दी गई। सुनने में आया है कि टी सीरीज की फिल्म 'भूल भुलैया 4' भी बिना कार्तिक आर्यन के बन सकती है। कार्तिक आर्यन बीते कुछ साल की तरह इस साल भी दिसंबर महीने में पुरस्कार बटोरने में लग गए हैं।

उन्हें जो भी पुरस्कार मिल रहे हैं, उनकी खबरें वह अपने सोशल मीडिया पर चमकते चेहरे के साथ साझा कर रहे हैं। लेकिन, ऐसे हर कार्यक्रम से पहले कार्यक्रम आयोजकों और कार्तिक आर्यन की टीम के बीच जमने वाली जुगलबंदी की कहानियां खूब चटखारे लेकर लोग अब मुंबई में सुना रहे हैं। फिल्म 'धमाका' को पूरी तरह नकार दिए जाने के बाद कार्तिक आर्यन के अभिनय की तारीफ सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई उनकी दूसरी फिल्म 'फ्रेडी' को लेकर हुई थी। लेकिन, इसके बाद आई फिल्मों 'शहजादा', 'सत्यप्रेम की कथा' और 'चंदू चैंपियन' की विफलता ने कार्तिक के करिश्मे पर खूब पानी फेरा। फिल्म 'शहजादा' के लिए जब टी सीरीज ने उनकी मुंहमांगी रकम देने से इन्कार किया तो वह इस फिल्म के निर्माता भी बने। टी सीरीज की इसके पहले बनी फिल्म 'भूल भुलैया 2' के प्रचार के समय तब्बू के साथ कार्तिक की अनबन भी खूब चर्चा में रही।

अब मेरी जिंदगी का कोई मतलब नहीं...

● **पेट डॉग के निधन पर टूटीं तृषा, काम से ब्रेक लिया**

तृषा ने अपना दुख व्यक्त करते हुए लिखा, मेरे बेटे जोरो का इस क्रिसमस की सुबह जल्दी निधन हो गया। जो लोग मुझे अच्छी तरह से जानते हैं, वे जानते हैं कि मेरे जीवन का अब कोई मतलब नहीं है। मैं और मेरा परिवार टूट गए हैं और सदमे की स्थिति में हैं। हर तरफ क्रिसमस की धूम है। आम आदमी से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स तक, आज क्रिसमस सेलिब्रेट कर रहे हैं लेकिन अभिनेत्री तृषा कृष्णन के घर में मातम छा गया है।

अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर इस खबर को अपने फैंस के साथ साझा किया है। यही नहीं, अभिनेत्री ने एक इमोशनल नोट भी साझा किया है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने अपने इस करीबी के लिए क्या पैगाम दिया है। हाल ही में, अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने प्रशंसकों के साथ साझा किया है कि उनके पेट डॉग जोरो का निधन हो गया है। अभिनेत्री के घर क्रिसमस के दिन यह दुर्घटना हुई है। तृषा ने अपना दुख व्यक्त करते हुए लिखा, मेरे बेटे जोरो का इस क्रिसमस की सुबह जल्दी निधन हो गया। जो लोग मुझे अच्छी तरह से जानते हैं, वे जानते हैं कि मेरे जीवन का अब कोई मतलब नहीं है।

वामिका की आंखों के कायल हुए लोग

बेबी जॉन की एक्ट्रेस वामिका गब्बी को लेकर चर्चा छिड़ गई है कि वो ऐश्वर्या राय की तरह दिखती हैं। इंटरनेट पर लोग कह रहे हैं कि वामिका की आंखें ऐश्वर्या राय से मिलती हैं और दोनों की तुलना भी हो रही है।

इन दिनों इंटरनेट पर एक चीज खूब वायरल हो रही है, वो है वामीका गब्बी की आंखें और ये ऐश्वर्या राय से कितनी मिलती जुलती हैं। यह सब तब शुरू हुआ जब एक पापराजी ने बेबी जॉन की रिलीज़ से पहले मुंबई में वामिका गब्बी का एक वीडियो पोस्ट किया और कई लोगों को आश्चर्य हुआ कि वे पहले इस समानता को देखने से कैसे चूक गए थे। जब प्राइम वीडियो भी इसमें शामिल हुआ तो यह बहस नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई।

सोनू सूद को मिले थे CM और डिप्टी सीएम बनने के ऑफर

सोनू सूद 2020 के लॉकडाउन के दौरान प्रवासी श्रमिकों और जरूरतमंदों की मदद करके स्टार बन गए थे। उन्होंने हाल ही में बताया कि उन्हें कई हाई-प्रोफाइल ऑफर मिले लेकिन फिर भी वो राजनीति में नहीं गए। लॉकडाउन के दौरान, सोनू ने देश और विदेश में फंसे लोगों की सहायता के लिए हर संभव प्रयास किया, यहां तक कि अपने प्रयासों के लिए अपनी संपत्ति भी गिरवी रख दी। एक इंटरव्यू में सोनू ने खुलासा किया कि उन्हें मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम बनने के ऑफर भी मिल चुके हैं। उन्होंने कहा, मुझे मुख्यमंत्री पद की भी पेशकश की गई थी। जब मैंने इनकार कर दिया, तो उन्होंने कहा, तब डिप्टी सीएम बन जाओ। ये देश के बहुत प्रभावशाली लोग थे, जिन्होंने मुझे राज्यसभा में सीट देने की भी पेशकश की। उन्होंने मुझसे कहा, राज्यसभा की सदस्यता लें। हमारे साथ जुड़ें। आपको राजनीति में किसी भी चीज़ के लिए लड़ने की ज़रूरत नहीं है। यह एक ऐसा फेज है जब ऐसे शक्तिशाली लोग आपसे मिलना चाहते हैं और आपको दुनिया में बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं।

अर्जुन कपूर के मैं सिंगल हूं बयान पर मलाइका ने पहली बार तोड़ी चुप्पी, बोलीं- ये उनकी समझ है

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर का ब्रेकअप हो चुका है। फिल्म सिंघम 3 के प्रचार के दौरान अर्जुन कपूर ने कहा था, मैं सिंगल हूं। उनकी इस टिप्पणी पर हाल ही में मलाइका ने प्रतिक्रिया दी है। मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर कई साल रिलेशनशिप में रहे। दोनों के प्यार के चर्चे मीडिया की सुर्खियां बने। दोनों की बॉन्डिंग और प्यार देख फैंस इनकी शादी के कयास लगा ही रहे थे कि खबरें ब्रेकअप की आ गईं। दोनों की राहें अब जुदा हैं। फिल्म सिंघम 3 के प्रमोशन के दौरान अर्जुन कपूर अपना रिलेशनशिप स्टेटस स्पष्ट कर चुके हैं। उन्होंने कहा था, मैं अब सिंगल हूं। एक्टर की इस टिप्पणी पर हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने प्रतिक्रिया दी है। मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन कपूर के खुद को सिंगल बताने के कमेंट पर रिएक्ट किया है। अभिनेत्री ने कहा कि वे अपनी निजी जिंदगी के कुछ पहलुओं को निजी रखना पसंद करती हैं। बातचीत में यह कहा। मलाइका ने कहा, मैं अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करने के लिए कभी भी पब्लिक प्लेटफॉर्म नहीं चुनूंगी। अर्जुन ने जो भी कहा, वह उनकी समझ है। उनका विशेषाधिकार है।

जिंदगी में आगे बढ़ने की दी सीख

मलाइका अरोड़ा ने अपनी जिंदगी की पिछली चुनौतियों का भी जिक्र किया। हालांकि, आने वाले वक्त के लिए वे सकारात्मक रुख अपनाए दिखीं। मलाइका ने कहा कि यह सभी के लिए आगे बढ़ने और नए साल को अपनाने का समय है। जिंदगी में उनके लिए नए सिरे से शुरुआत के संकेत हैं।

-साभार एजेंसी

पाकिस्तान वर्सेस साउथ अफ्रीका:

बाबर ने 4 रन बनाकर रच दिया इतिहास, कोहली-रोहित के खास लिस्ट में हुए शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच की पहली पारी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम बड़ा स्कोर करने में नाकाम रहे। साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी दो मैचों में बाबर ने लगातार अर्धशतकीय पारी खेली थी, लेकिन वो अपने इस फॉर्म को पहले टेस्ट की पहली पारी में बनाए रखने में कामयाब नहीं हो पाए और सिर्फ 4 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठे। बाबर आजम ने प्रोटियाज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में सिर्फ 4 रन जरूर बनाए, लेकिन इस कम स्कोर के बावजूद उन्होंने इतिहास रच दिया और विराट कोहली व रोहित शर्मा की इस खास लिस्ट में शामिल हो गए। इसके अलावा वो पाकिस्तान की तरफ से इस कामयाबी को हासिल करने वाले पहले बल्लेबाज बने साथ ही साथ ऐसा करने वाले दुनिया के तीसरे बल्लेबाज भी बने।

बाबर ने की रोहित-कोहली की बराबरी

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में 4 रन बनाने के साथ ही बाबर आजम ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 4000 रन पूरे कर लिए। टेस्ट प्रारूप में 4000 रन पूरे करने के साथ ही बाबर आजम ने विराट कोहली और रोहित शर्मा की खास लिस्ट को भी ज्वाइन कर लिया। बाबर आजम अब दुनिया के तीसरे ऐसे खिलाड़ी बन गए जिन्होंने क्रिकेट के हर फॉर्मेट में 4000 या उससे ज्यादा रन बनाने का कमाल कर दिया। बाबर से पहले ऐसा रोहित शर्मा और विराट कोहली ने ही ऐसा किया था। वहीं बाबर पाकिस्तान के पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए जिन्होंने क्रिकेट के हर प्रारूप में 4000 हजार या उससे ज्यादा रन बनाए हैं।

टेस्ट क्रिकेट में बाबर आजम ने 4000 रन पूरे कर लिए और पाकिस्तान की तरफ से वो क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में इतने रन बनाने वाले 12वें बल्लेबाज भी बन गए। वहीं इस बड़ी उपलब्धि के बाद भी बाबर आजम का टेस्ट में खराब फॉर्म जारी है। बाबर आजम ने पिछले दो साल से टेस्ट क्रिकेट में अर्धशतक नहीं लगाया है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपना आखिरी अर्धशतक 26 दिसंबर 2022 को लगाया था।

दानिश कनेरिया ने चैंपियंस ट्रॉफी 25 हाइब्रिड मॉडल पर कहा, पाकिस्तान को लॉलीपॉप दिया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी द्वारा चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत-पाकिस्तान मैचों के लिए हाइब्रिड मॉडल को मंजूरी दिए जाने के बाद, पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया को लगता है कि यह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के लिए जीत की स्थिति है, जबकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को 2028 में महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी का लॉलीपॉप दिया गया है। आईसीसी कार्यकारी बोर्ड ने पिछले सप्ताह घोषणा की कि 2024-2027 अधिकार चक्र के दौरान आईसीसी इवेंट्स में किसी भी देश द्वारा आयोजित भारत और पाकिस्तान के मैच तटस्थ स्थल पर खेले जाएंगे। साथ ही, पीसीबी को 2028 में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी के अधिकार दिए गए हैं, जहां तटस्थ स्थल व्यवस्था भी लागू होगी।

बाद में, दुबई को चैंपियंस ट्रॉफी के भारत-पाक मैचों के लिए स्थल के रूप में पुष्टि की गई थी, जिसकी मेजबानी पाकिस्तान 19 फरवरी से 9 मार्च तक करेगा। भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला 23 फरवरी को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होना है। अगर भारत फाइनल के लिए क्वालीफाई करता है, तो शिखर मुकाबला भी दुबई में होगा।

कनेरिया ने कहा, बीसीसीआई ने खुद को जीत की स्थिति में पाया है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया चौथा टेस्ट

पहले दिन कंगारुओं का स्कोर 311/6

● स्टीव स्मिथ 68 रन बनाकर नाबाद लौटे ● बुमराह को 3 विकेट

मेलबर्न, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मेलबर्न के एमसीजी मैदान पर खेला जा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने गुरुवार को टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया है। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे सेशन में 6 विकेट पर 308 रन बना लिए हैं। स्टीव स्मिथ और पैट कमिंस नाबाद हैं। विकेटकीपर एलेक्स कैरी (31 रन) को आकाश दीप ने विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया।

जसप्रीत बुमराह ने मिचेल मार्श (4 रन), ट्रैविस हेड (शून्य) और उस्मान ख्वाजा (57 रन) को आउट किया। मार्नस लाबुशेन (72 रन) वॉशिंगटन सुंदर और डेब्यू मैच खेल रहे सैम कोंस्टास (60 रन) रवींद्र जडेजा का शिकार बने। इंडियन टीम एक बदलाव के साथ उतरी है। शुभमन गिल नहीं खेल रहे हैं, जबकि वॉशिंगटन सुंदर को मौका मिला है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिस्बेन टेस्ट की प्लेइंग-11 में 2 बदलाव किए। जोश हेजलवुड और नाथन मैकस्वीनी बाहर हुए हैं। उनकी जगह स्कॉट बोलैंड और सैम कोंस्टास को एंट्री मिली। भारत ने पहला और ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा टेस्ट जीता, इसलिए सीरीज 1-1 से बराबर है। तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहा था।

सैम कॉन्स्टस को टक्कर मारने के दोषी पाए गए

विराट कोहली को मैच रेफरी ने दी सजा

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया की टीम के बल्लेबाज सैम कॉन्स्टस ने बेहतरीन अर्धशतक लगाया. लेकिन उनकी इस अर्धशतकीय पारी के दौरान विराट कोहली ने उन्हें टक्कर मार दी. अब विराट कोहली को बड़ी सजा मिली है. मैच रेफरी ने पहले ही दिन विराट कोहली पर जुर्माना लगा दिया है. विराट कोहली की 20 फीसदी मैच फीस काटी गई है. रिपोर्ट्स के मुताबिक विराट कोहली लेवल 1 के दोषी पाए गए हैं. राहत की बात ये है कि विराट कोहली को एक ही डिमैरिट प्वाइंट दिया गया है जिसके मुताबिक उन्हें अगले मैच में सस्पेंड नहीं होना पड़ेगा.

विराट ने कहा- हां मैं दोषी हूं

मेलबर्न टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म होते ही विराट कोहली की मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट के सामने पेशी हुई. वहां विराट कोहली ने अपना जुर्म कबूल लिया. इसके बाद मैच रेफरी ने विराट कोहली की 20 फीसदी मैच फीस काटने का आदेश सुनाया.

मेलबर्न टेस्ट के पहले दिन 10वां ओवर खत्म होने के बाद विराट कोहली ने कॉन्स्टस को टक्कर मारी थी. विराट कोहली दूसरे एंड पर स्लिप की ओर जा रहे थे और सैम कॉन्स्टस भी अपना एंड बदल रहे थे. इसके बाद कोहली सीधे 19 साल के इस बल्लेबाज की तरफ चलकर आए और उन्हें कंधा मार दिया. इस घटना के बाद विराट कोहली की जमकर आलोचना की गई.

रवि शास्त्री ने भी की विराट की आलोचना

विराट कोहली की आलोचना पूर्व भारतीय हेड कोच रवि शास्त्री ने भी की. रवि शास्त्री मेलबर्न में कमेंट्री कर रहे थे.

मैच खत्म होने के बाद एनलसिस के दौरान उन्होंने कहा कि विराट कोहली को ये सब करने की कतई जरूरत नहीं थी. वैसे ऐसा पहली बार नहीं है जब विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में इस तरह का पंगा लिया हो. विराट कोहली ने अपने पहले ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर ही दर्शकों को अभद्र इशारा किया था, जिसके बाद उन्हें मैच रेफरी से सजा मिली थी.

सैम कॉन्स्टस ने खेली कमाल पारी

वैसे विराट कोहली की टक्कर लगने के बाद कॉन्स्टस ने कमाल की पारी खेली. इस 19 साल के खिलाड़ी का ये पहला ही टेस्ट था और उन्होंने पहली पारी में ही अपनी छाप छोड़ दी. इस खिलाड़ी ने बुमराह के खिलाफ ही दो छक्के लगा दिए. कॉन्स्टस ने 65 गेंदों में 60 रनों की पारी खेली. इस खिलाड़ी ने उस्मान ख्वाज के साथ 19.2 ओवर में 89 रनों की साझेदारी की.

आईपीएल 2025 से पहले दिल्ली कैपिटल्स के लिए गुड न्यूज

समीर रिजवी ने फिर जड़ा दोहरा शतक, रच डाला इतिहास

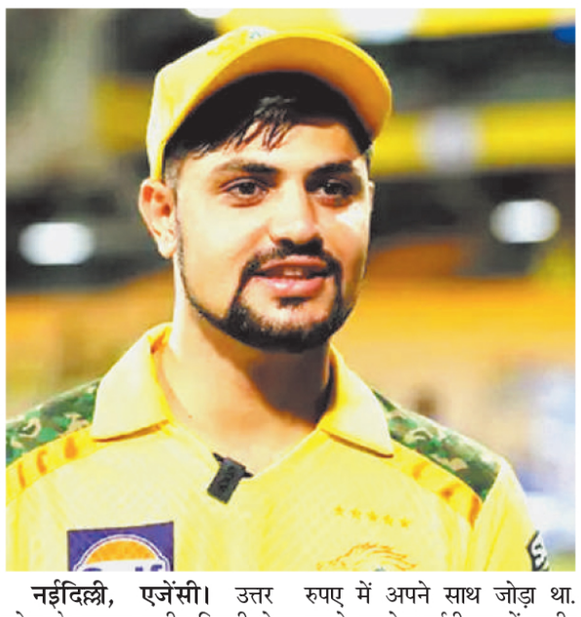

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कप्तान समीर रिजवी ने त्रिपुरा के खिलाफ दोहरा शतक बनाकर इतिहास रच दिया. उन्होंने यह कारनामा अंडर-23 स्टेट ट्रॉफी में किया. इस तरह समीर रिजवी मेंस अंडर-23 स्टेट ट्रॉफी 2 दोहरा शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं. समीर रिजवी ने त्रिपुरा के खिलाफ 97 गेंदों पर 201 रनों की नाबाद पारी खेली. इससे पहले इस बल्लेबाज ने विदर्भ के खिलाफ 105 गेंदों पर 202 रनों की नॉटआउट पारी खेली थी. उस मैच में समीर रिजवी की टीम उत्तर प्रदेश ने 407 रनों का पीछा किया था.

त्रिपुरा के खिलाफ अपनी ताबड़तोड़ पारी में समीर रिजवी ने 20 छक्के और 13 चौके जड़े. बहरहाल इस तूफानी पारी के बाद सोशल मीडिया पर समीर रिजवी लगातार ट्रेंड कर रहे हैं. साथ ही क्रिकेट फैंस का कहना है कि आईपीएल 2025 सीजन से पहले दिल्ली कैपिटल्स के लिए शुभ संकेत हैं. पिछले दिनों आईपीएल मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने समीर रिजवी को 90 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा था. इससे पहले आईपीएल में समीर रिजवी चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रह चुके हैं. दरअसल आईपीएल ऑक्शन 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स ने समीर रिजवी को 8.40 करोड़ रुपए में खरीदा था. इसके बाद इस खिलाड़ी ने काफी सुर्खियां बटोरी थी.

आईपीएल में ऐसा रहा है समीर रिजवी का प्रदर्शन

हालांकि, आईपीएल में चेन्नई के लिए समीर रिजवी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा. समीर रिजवी आईपीएल के 5 मैचों में 118 की स्ट्राइक रेट से महज 51 रन जोड़ सके. इसके बाद आईपीएल मेगा ऑक्शन से पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने समीर रिजवी को रिलीज कर दिया.

वहीं, दिल्ली कैपिटल्स ने मेगा ऑक्शन में 21 वर्षीय बल्लेबाज को 90 लाख रूपए में अपनी टीम का हिस्सा बनाया. बहरहाल यह देखना मजेदार होगा कि आईपीएल 2025 सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के लिए समीर रिजवी का प्रदर्शन कैसा रहता है?

पोंटिंग और ब्रैडमैन की श्रेणी में शामिल हुए स्मिथ

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने गुरुवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन अपना 42वां टेस्ट अर्धशतक जड़ा और इस तरह से वह इस प्रतिष्ठित स्थल पर टेस्ट मैचों में 10 या उससे अधिक 50 से अधिक स्कोर बनाने वाले दिग्गज बल्लेबाजों रिकी पोंटिंग, डॉन ब्रैडमैन और ग्रेग चैपल की श्रेणी में शामिल हो गए।

स्मिथ ने एमसीजी में अपने 12वें टेस्ट में 10वां पचास से अधिक का स्कोर बनाया, जिससे वह खेल के महान खिलाड़ियों में शामिल हो गए। चैपल 17 टेस्ट मैचों में 13 पचास से अधिक स्कोर के साथ इस सूची में सबसे आगे हैं, जबकि ब्रैडमैन (11 टेस्ट मैचों में 12) और पोंटिंग (15 टेस्ट मैचों में 11) भी इस

सूची में शामिल हैं। अंतिम सत्र में 71 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा करने वाले स्मिथ पहले दिन स्टंप्स तक 68 रन बनाकर नाबाद थे, जिसमें पांच चौके और एक छक्का शामिल था। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने बीच के ओवरों में शानदार प्रदर्शन किया और पहले दिन 86 ओवरों में 311/6 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया के लिए, 19 वर्षीय डेब्यूटेंट सैम कोंस्टास ने 60 रन बनाए, जबकि उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन ने क्रमशः 57 और 72 रनों का योगदान दिया, जिससे घरेलू टीम को महत्वपूर्ण मुकाबले में बढ़त मिली। पहले बल्लेबाजी करने वाले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस आठ रन बनाकर नाबाद लौटे और शुक्रवार को स्मिथ के साथ अपनी पारी जारी रखना चाहेंगे।

भारत के लिए, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 21 ओवरों में 3-75 के आंकड़े के साथ वापसी की, जबकि आकाश दीप, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने एक-एक विकेट लिया।

ब्रिसबेन में तीसरा टेस्ट ड्रॉ होने के बाद पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर है। भारत ने पर्थ में सीरीज का पहला मैच 295 रन से जीता था, जबकि एडिलेड ओवल में पिंक बॉल टेस्ट में उसे 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था।

इंडिया वर्सेस वेस्टइंडीजः

भारतीय महिला टीम की नजरें वेस्टइंडीज का सूपड़ा साफ करने पर

वडोदरा, एजेंसी। भारतीय महिला टीम खराब फॉर्म से जूझ रही वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और आखिरी एक दिवसीय मैच में शुक्रवार को 'क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीनों वनडे हारने के बाद भारतीय टीम ने अपनी सरजमीं पर वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत की राह पर वापसी की है। भारतीय टीम ने श्रृंखला में 300 से अधिक के स्कोर बनाए हैं। पहले मैच में स्मृति मंधाना के साथ पारी का आगाज करने वाली पत्रिका रावल ने दूसरे वनडे में बेहतर प्रदर्शन करके उम्मीद जगाई है। हरलीन देयोल ने दूसरे मैच में तीसरे नंबर पर उतरकर शतक जड़ा और वह इस लय को कायम रखना चाहेंगी।

पूरी तरह से फिट होने के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर भी आत्मविश्वास से भरी लग रही हैं लेकिन अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाई हैं। गेंदबाजी में रेणुका ठाकुर ने तेज गेंदबाजी में अगुवाई की है जबकि युवा टिटास साधू को भी विकेट मिले हैं। लेग स्पिनर प्रिया मिश्रा ने भी प्रभावित किया है। यह मुकाबला चूंकि औपचारिकता का है लिहाजा भारतीय टीम में तनुजा कंवर और तेजल हसब्निस को उतारा जा सकता है।

साउदी करेंगे आईएलटी-20 के तीसरे संस्करण में शारजाह वारियर्स की कप्तानी

शारजाह, एजेंसी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों में से एक टिम साउदी डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के तीसरे संस्करण के लिए शारजाह वारियर्स टीम की कप्तानी करेंगे। शारजाह वारियर्स का मानना है कि साउदी का अनुभव और खेल का ज्ञान आईएलटी-20 के आगामी सीजन के लिए टीम को मजबूती देगा।

आईएलटी-20 तीसरे सत्र की शुरुआत 11 जनवरी को होगी और शारजाह वारियर्स अपना पहला मैच 12 जनवरी को गुजरात जायंट्स के खिलाफ खेलेगा। इस अवसर पर टिम साउदी ने कहा, 'शारजाह वारियर्स के पास एक शानदार टीम है, जिसमें कई बेहतरीन बल्लेबाज और योग्य और कुशल गेंदबाज हैं। इतने प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की कप्तानी करना और उनके साथ रहना वाकई रोमांचक होगा।

टीम प्रबंधन के साथ मेरी बातचीत भी अब तक काफी सफल रही है और हमें पूरा भरोसा है कि यह सत्र अच्छा रहेगा।

मैं टीम में शामिल होने और उसका नेतृत्व करने के लिए वाकई उत्साहित हूं। शारजाह वॉरियर्स के मुख्य कार्यकारी क्षेमल वैनगंकर ने कहा, 'हम, कैप्री स्पोर्ट्स में टिम साउदी को शारजाह वॉरियर्स टीम में कप्तान के रूप में शामिल करने पर बहुत उत्साहित हैं।

क्रिकेट के खेल के प्रति उनकी कार्य नीति और समर्पण बेमिसाल है और लड़ते रहने की उनकी दृढ़ता, योद्धा भावना के साथ पूरी तरह से मेल खाती है।

हरियाणा की देविका सिहाग ने लगातार तीसरी बार महिला एकल खिताब जीतकर रचा इतिहास

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा की 19 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी देविका सिहाग ने योनेक्स सनराइज 86वीं राष्ट्रीय सीनियर बैडमिंटन स्पर्धा में महिला एकल खिताब जीतकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

देविका ने महिला एकल फाइनल में तेलंगाना की श्रियांशी वलिशेट्टी को 35 मिनट में 21-15, 21-16 से हराया। यह जीत उनके लिए खास रही, क्योंकि उन्होंने लगातार तीसरी बार यह खिताब जीता है। पहले गेम में देविका ने 10-3, 13-8 और 15-11 की बढ़त से शानदार प्रदर्शन किया, जबकि दूसरे गेम में थोड़ी परेशानी का सामना करने के बावजूद उन्होंने 8-10 से पिछड़ने के बाद 11-10 की बढ़त बनाई और फिर 14-11, 16-12, और 18-16 के साथ मैच जीत लिया। इस जीत के बाद हरियाणा बैडमिंटन संगठन के सचिव अजय सिंघानिया ने उन्हें 5 लाख रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा की। देविका की यह जीत सिर्फ उनके लिए नहीं, बल्कि हरियाणा के लिए भी गर्व का पल है, क्योंकि पिछले तीन सालों से हरियाणा की खिलाड़ी इस खिताब पर कब्जा जमाती आ रही हैं। इस साल के पहले भी अनुपमा उपाध्याय और पिछले साल अनमोल खरब ने यह खिताब जीता था। देविका ने 2022 में राष्ट्रीय जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा में भी 24 दिसंबर को पंजाब की तनवी शर्मा को हराकर बालिका एकल खिताब जीता था और अब 2024 के 24 दिसंबर को उन्होंने सीनियर स्तर पर यह सफलता हासिल की। देविका ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि शुरुआत में उन्हें विश्वास था कि वह जीत सकती हैं, लेकिन मैच दर मैच उनका आत्मविश्वास और बढ़ा। वह बताती हैं कि स्पर्धा से एक दिन पहले वह फिसल गई थीं, जिससे थोड़ा दर्द हुआ था, लेकिन उन्होंने धीरे-धीरे खुद को ठीक कर लिया। देविका पादुकोण बैडमिंटन अकादमी, बैंगलुरु में उमेंद्र राणा और सागर चोपड़ा से प्रशिक्षण ले रही हैं। उनका अगला लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में हिस्सा लेकर अपनी विश्व रैंकिंग सुधारना है।

इस साल, उन्होंने चार अंतरराष्ट्रीय सीरीज फाइनल में जगह बनाई और पुर्तगाल और स्वीडिश ओपन सीरीज खिताब जीते। देविका के माता-पिता, सुनील मान और वकील अजीत सिहाग, अपनी बेटी की इस सफलता से बेहद खुश हैं और उनका मानना है कि देविका आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन में भी भारत का नाम रोशन करेंगी।

बांग्लादेश 2024 : हसीना भारत पहुंचीं, सत्ता से नाटकीय बेदखली का भारत के साथ संबंधों पर असर

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश को इस साल शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने के कारण उथल-पुथल का सामना करना पड़ा। इस घटनाक्रम ने भारत के साथ बांग्लादेश के पारंपरिक रूप से मजबूत संबंधों पर भी असर डाला। दोनों देशों के संबंध और तनावपूर्ण होने की आशंका है क्योंकि बांग्लादेश अब भारत से हसीना का प्रत्यर्पण चाहता है। लंबे समय तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं 77 वर्षीय हसीना को सत्ता से हटाए जाने से पूर्व, देश में सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर छात्रों के नेतृत्व में कई सप्ताह तक विरोध प्रदर्शन हुए थे जो बाद में एक राष्ट्रव्यापी अभियान में बदल गए जिसने उनके 16 साल के शासन का खात्मा कर दिया। अगस्त में हजारों लोगों ने रैली निकाली। सेना ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ घातक बलप्रयोग नहीं करने का फैसला किया और हसीना आनन फानन में बांग्लादेश छोड़कर भारत चली गईं। आंदोलन के चंद महीने पहले उन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर चौथा कार्यकाल हासिल किया था जिसे वह पूरा नहीं कर पाईं। नोबेल पुरस्कार विजेता 84 वर्षीय मुहम्मद यूनुस को छात्र प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए चुना था। यूनुस का हसीना सरकार के साथ लंबे समय से विवाद रहा था। यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के आठ अगस्त को सत्ता में आने के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों में तनाव आ गया।

पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश में हिंदुओं समेत अल्पसंख्यकों पर हमलों की बाढ़ सी आ गई है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने इस महीने की शुरुआत में ढाका की यात्रा के दौरान इस संबंध में भारत की चिंता को व्यक्त किया था। थिंक टैंक बांग्लादेश एंटरप्राइजेज इंस्टीट्यूट (बीईआई) के प्रमुख पूर्व राजनयिक हुमायूं कबीर ने कहा, भारतीय विदेश सचिव की यात्रा ने संकेत दिया है कि भारत बदली हुई वास्तविकता को स्वीकार करते हुए बांग्लादेश के साथ सामान्य संबंध बनाए रखने के लिए उत्सुक है। वे स्पष्ट तौर पर हसीना सरकार के साथ भारत के घनिष्ठ संबंधों का जिक्र कर रहे थे। हाल के सप्ताह में हसीना ने यूनुस के नेतृत्व वाले प्रशासन पर नरसंहार करने और अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। अंतरिम सरकार ने भारत को राजनयिक संदेश भेजकर उसके प्रत्यर्पण की मांग की है। बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने हसीना और उनके पूर्व कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों तथा सैन्य एवं असैन्य अधिकारियों के खिलाफ मानवता के विरुद्ध अपराध एवं नरसंहार के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। एक समय में शक्तिशाली रही हसीना की आवामी लीग का भाग्य अधर में लटका हुआ है, क्योंकि छात्र नेता चाहते हैं कि इसे अगले चुनाव से बाहर रखा जाए और उन्होंने पार्टी को फासीवादी करार दिया है। पहले भारत में उप उच्चायुक्त और बाद में अमेरिका में राजदूत के रूप में कार्य कर चुके कबीर ने कहा, यह अनुमान लगाना अभी कठिन है कि अगले चुनाव के दौरान प्रमुख दलों की भागीदारी के संदर्भ में परिदृश्य क्या होगा। विजय दिवस के अपने भाषण में यूनुस ने संस्थापक नेता और हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान का कोई उल्लेख नहीं किया। यह दिन बांग्लादेश की मुक्ति का दिन है और इसी दिन लगभग एक लाख पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। बांग्लादेश ने पुराने नोटों को प्रचलन से बाहर करने के साथ अपनी मुद्राओं से शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके बजाय, नए नोटों पर धार्मिक संरचनाओं, बंगाली परंपराओं और जुलाई विद्रोह की तस्वीरें होंगी। केंद्रीय बैंक के अनुसार, अंतरिम सरकार के निर्देश पर 20, 100, 500 और 1,000 टका के बैंक नोट छापे जा रहे हैं। अंतरिम सरकार ने शेख मुजीबुर रहमान की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में 15 अगस्त को होने वाले राष्ट्रीय अवकाश को भी रद्द कर दिया। इसी दिन शेख मुजीबुर रहमान की हत्या कर दी गई थी। अंतरिम सरकार ने अब तक आम चुनाव के लिए कोई खाका घोषित नहीं किया है। राजनीतिक टिप्पणीकार और राष्ट्रीय चुनाव निगरानी परिषद के अध्यक्ष नजमुल अहसन कलीमुल्लाह ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि अंतरिम सरकार विभिन्न क्षेत्रों में सुधार लाने के लिए अपना कार्यकाल बढ़ाना चाहती है।

बांग्लादेश सचिवालय में भीषण आग, सरकारी दस्तावेज जले

ढाका। ढाका में बांग्लादेश सचिवालय की एक प्रमुख इमारत में बृहस्पतिवार को भीषण आग लग गई, जिससे सरकारी दस्तावेज नष्ट हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों को आशंका है कि सरकारी दस्तावेजों को नुकसान पहुंचाने की मंशा से ही घटना को अंजाम दिया गया और इस संबंध में एक उच्च स्तरीय जांच समिति गठित की गई है। बांग्लादेश सचिवालय की इमारत संख्या सात में आग लगी और करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, नौ मंजिला इमारत में सात मंत्रालय मौजूद हैं। उच्च सुरक्षा वाले परिसर में बृहस्पतिवार सुबह आग लगी। हालांकि, आग की घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन सेवा के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल जाहेद कमाल ने संवाददाताओं को बताया, कल (बुधवार) आधी रात के बाद इमारत में तीन स्थानों पर एक साथ आग लग गई। उन्होंने संकेत दिया कि आग संभवतः दुर्घटनावश नहीं लगी। अधिकारियों ने बताया कि आग के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे इमारत के अलावा अन्य मंत्रालयों को भी अपना सामान्य कामकाज रोकना पड़ा जबकि सुरक्षा एजेंसियों ने परिसर के अंदर प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया, जिससे कई कर्मचारी परिसर में प्रवेश नहीं कर पाए। उन्होंने बताया कि इमारत संख्या सात की छठी, सातवीं और आठवीं मंजिल पर स्थित अधिकांश कमरे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि स्थानीय प्रशासन, डाक एवं दूरसंचार मंत्रालयों के दस्तावेज और फर्नीचर जल गए। एक अधिकारी ने इमारत का दौरा करने के बाद बताया, आग बुझाने के लिए इस्तेमाल किए गए पानी से कई दस्तावेजों को भी नुकसान पहुंचा। इमारत के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले कबूतर मरे हुए पाए गए और खिड़कियां टूटी हुई थीं। अंतरिम सरकार के सलाहकार आसिफ महमूद सजीब भुइयां ने कहा, षड्यंत्रकारियों ने अपनी गतिविधियां बंद नहीं की हैं। उन्होंने कहा कि जिन दस्तावेजों को नुकसान पहुंचा है।

इजराइल-हमास युद्ध

गाजा में तंबू में रह रही बच्ची की ठंड के कारण मौत

» यरूशलम, भाषा।

इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध के कारण गाजा में कड़ाके की ठंड में तंबू में रहने को मजबूर तीन सप्ताह की एक बच्ची की मौत हो गई। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इजराइल और हमास एक दूसरे पर युद्ध विराम समझौते को जटिल बनाने के आरोप लगा रहे हैं। चिकित्सकों ने बताया कि हाल के दिनों में गाजा में तंबुओं में रह रहे बच्चे की ठंड से मौत का यह तीसरा मामला है। इजराइल और हमास के बीच पिछले 14 महीने से जारी युद्ध ने भारी तबाही मचाई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल द्वारा गाजा पर की गई बमबारी और जमीनी हमलों में 45,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें से आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं। इस युद्ध के कारण गाजा की करीब 23 लाख आबादी में से लगभग 90 प्रतिशत लोगों को कई बार विस्थापित होना पड़ा है। तंबुओं में रह रहे हजारों लोग ठंड शुरू होने के कारण ठिठुर रहे हैं। सहायता समूहों को भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएं पहुंचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

सहायता समूहों के अनुसार, इन लोगों के पास कंबल और गर्म कपड़े तक नहीं हैं। खान यूनिस शहर के बाहर मुवासी इलाके में तंबू में रहने को मजबूर तीन सप्ताह की सिला के पिता महमूद अल-फसीह ने कहा कि उन्होंने बच्ची को ठंड से बचाने के लिए कंबल में लपेट कर रखा लेकिन यह पर्याप्त नहीं था। उन्होंने कहा कि मंगलवार रात नौ डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच तंबू में सर्द हवाएं आ रही थीं और जमीन ठंडी थी। उन्होंने कहा, रात भर बहुत ठंड थी। फसीह ने कहा कि सिला रात में तीन बार रोकर उठी और सुबह उन्होंने पाया कि वह बेहोश थी तथा उसका शरीर अकड़ गया था। वह उसे एक अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन उसके फेफड़ों ने पहले ही काम करना बंद कर दिया था।

गाजा में इजराइल के हमले में पांच फलस्तीनी पत्रकारों की मौत : अधिकारी

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)। गाजा पट्टी में बीती रात एक अस्पताल के बाहर हुए इजराइली हमले में पांच फलस्तीनी पत्रकारों की मौत हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार तड़के यह जानकारी दी। हमला मध्य गाजा में नुसीरत शरणार्थी शिविर में बनाए गए अल-अवदा अस्पताल के बाहर एक कार पर हुआ। पत्रकार स्थानीय कुद्स न्यूज नेटवर्क के लिए काम करते थे। कुद्स न्यूज नेटवर्क ने भी हमले के बारे में खबर दी है। इजराइली सेना की ओर से इस बारे में तत्काल कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई। दक्षिण इजराइल पर अचानक हमास के हमले के बाद इजराइल करीब 15 महीने से चरमपंथी समूह से युद्ध लड़ रहा है। इजराइल का कहना है कि वह केवल चरमपंथियों को निशाना बना रहा है और आम लोगों को बख्शने की कोशिश कर रहा है, हालांकि उसके हमलों में अनेक महिलाओं और बच्चों की मौत हो चुकी है।

नेतन्याहू ने हनुक्काह पर शुभकामनाओं के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया

» यरुशलम, भाषा।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी को हनुक्काह पर उनकी शुभकामनाओं और मित्रता के लिए धन्यवाद दिया तथा छुट्टियों के इस समय को अंधकार पर प्रकाश की विजय के रूप में मनाए जाने की कामना की। आठ दिन तक मनाया जाने वाला हनुक्काह यहूदी पर्व है जिसे रोशनी का त्योहार भी कहा जाता है। इसे चानुका भी कहा जाता है। इजराइल में बहुत से लोग इसकी तुलना दीपावली से करते हैं। नेतन्याहू ने कई मौकों पर अंधकार पर प्रकाश की विजय की बात कही है। उन्होंने युद्ध के संदर्भ में जुलाई में अमेरिकी कांग्रेस में भी अपने संबोधन में इसका इस्तेमाल किया था। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मेरे अच्छे मित्र, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आपके दयालु चानुका अभिवादन और इजराइल के प्रति आपकी निरंतर मित्रता को लेकर आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

नेतन्याहू ने कहा, यह छुट्टियों का मौसम आनंदमय हो और अंधकार पर प्रकाश की विजय के रूप में मनाया जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को अपने इजराइली समकक्ष नेतन्याहू और विश्व भर में हनुक्काह पर्व मना रहे लोगों को शुभकामनाएं दीं। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, प्रधानमंत्री नेतन्याहू और दुनिया भर में हनुक्काह का पर्व मना रहे सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने हिब्रू भाषा में किए गए पोस्ट में कहा, हनुक्काह की चमक हर किसी के जीवन को आशा, शांति और शक्ति से रोशन करे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी अपने इजराइली समकक्ष गिदोन सार और वैश्विक यहूदी समुदाय को हनुक्काह पर्व की शुभकामनाएं भेजीं। सार ने कृतज्ञता के साथ जवाब दिया और जयशंकर को उनकी हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया।

चीन ने भारत सीमा के पास ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध निर्माण को मंजूरी दी

बीजिंग। चीन ने भारतीय सीमा के नजदीक तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को मंजूरी दे दी है जिससे भारत और बांग्लादेश में चिंता बढ़ गई है। इस बांध परियोजना को दुनिया की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना बताया जा रहा है जिसकी लागत 137 अरब अमेरिकी डॉलर है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बुधवार को एक आधिकारिक बयान के हवाले से बताया कि चीन सरकार ने यारलुंग जांग्बो नदी (ब्रह्मपुत्र का तिब्बती नाम) के निचले इलाकों में एक जलविद्युत परियोजना के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यह बांध हिमालय की एक विशाल घाटी में बनाया जाएगा, जहां ब्रह्मपुत्र नदी एक विशाल यू-टर्न लेकर अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश में बहती है। हांगकांग के साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने बृहस्पतिवार को बताया कि बांध में कुल निवेश 137 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो सकता है। इस बांध के आगे चीन का श्री गॉर्जेस बांध सहित धरती पर कोई भी अन्य एकल बुनियादी ढांचा परियोजना छोटी पड़ जाएगी। भारत में इस बात को लेकर चिंता उत्पन्न हो गई है कि इस बांध से चीन को जल प्रवाह को नियंत्रित करने का अधिकार तो मिलेगा ही, साथ ही इसके आकार और पैमाने को देखते हुए यह चीन को शत्रुता के समय सीमावर्ती क्षेत्रों में भारी मात्रा में पानी छोड़ने में भी सक्षम बना देगा। भारत भी अरुणाचल प्रदेश में ब्रह्मपुत्र पर बांध बना रहा है। भारत और चीन ने सीमा पार नदियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 2006 में एक विशेषज्ञ स्तरीय तंत्र (ईएलएम) की स्थापना की थी, जिसके तहत चीन बाढ़ के मौसम के दौरान भारत को ब्रह्मपुत्र नदी और सतलुज नदी पर जल विज्ञान संबंधी जानकारी प्रदान करता है। भारत, चीन के सीमा मुद्दों पर विशेष प्रतिनिधियों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग ई के बीच 18 दिसंबर को यहां हुई वार्ता में सीमा पार की नदियों के बारे में डेटा साझा करने का मुद्दा उठा था। विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि विशेष प्रतिनिधियों ने सीमा पार नदियों पर डेटा साझा करने सहित सीमा पार सहयोग और आदान-प्रदान के लिए सकारात्मक दिशा-निर्देश दिए। ब्रह्मपुत्र बांध में इंजीनियरिंग की बहुत बड़ी चुनौतियां हैं, क्योंकि परियोजना स्थल टेक्टोनिक प्लेट क्षेत्र से लगा हुआ है, जहां भूकंप आते हैं। दुनिया की छत माने जाने वाले तिब्बती पठार में अक्सर भूकंप आते रहते हैं, क्योंकि यह टेक्टोनिक प्लेट के ऊपर स्थित है। बुधवार को एक आधिकारिक बयान में भूकंप के बारे में चिंताओं को यह कहते हुए दूर करने की कोशिश की गई।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण कोरिया में विपक्ष ने देश के कार्यवाहक राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया

» सियोल, भाषा।

दक्षिण कोरिया की मुख्य विपक्षी पार्टी ने देश के कार्यवाहक राष्ट्रपति के खिलाफ बृहस्पतिवार को महाभियोग चलाने का प्रस्ताव पेश किया। यह महाभियोग प्रस्ताव संवैधानिक न्यायालय के तीन रिक्त पदों को भरने में उनकी अनिच्छा के कारण लाया गया है। महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक एओल के खिलाफ विद्रोह के आरोपों की न्यायालय द्वारा समीक्षा किए जाने से पहले कार्यवाहक राष्ट्रपति के विरुद्ध यह प्रस्ताव रखा गया है। तीन दिसंबर को अल्पकालिक मार्शल लॉ के आदेश के कारण यून के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। उदारवादी विचारधारा वाली विपक्षी पार्टियों और यून की रूढ़िवादी विचारधारा वाली पार्टी के बीच बढ़ते विवाद के कारण न्यायालय में नियुक्तियां रुकी हुई हैं।

वर्तमान कार्यवाहक राष्ट्रपति के तौर पर कार्यभार संभाल रहे प्रधानमंत्री हान डक-सू के संभावित महाभियोग से राजनीतिक गतिरोध और गहरा सकता है। विपक्षी दलों द्वारा नियंत्रित नेशनल असेंबली ने संवैधानिक न्यायालय के तीन न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए भी प्रस्ताव पारित किया है। न्यायालय यून को बर्खास्त या बहाल करने पर विचार-विमर्श शुरू करने की तैयारी कर रहा है। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष वू वोन शिक ने हान से न्यायाधीशों की शीघ्र नियुक्ति करने का आग्रह किया था। यून की पीपुल्स पावर पार्टी (पीपीपी) के अधिकतर सदस्यों ने नेशनल असेंबली के मतदान का बहिष्कार किया था। सदस्यों का तर्क था कि हान को प्रस्तावित न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए राष्ट्रपति के अधिकार का प्रयोग नहीं करना चाहिए, जबकि यून को अभी औपचारिक रूप से पद से हटाया जाना बाकी है।

ताइवान में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रह चुके को वेन-जे पर भ्रष्टाचार के आरोप

» ताइपे, भाषा।

ताइवान में अभियोजकों ने राष्ट्रपति पद के पूर्व उम्मीदवार और ताइवान पीपुल्स पार्टी के संस्थापक को वेन-जे पर बृहस्पतिवार को भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। को वेन-जे पर ताइवान की राजधानी के मेयर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया है। अभियोजकों के बयान के अनुसार, ताइपे के पूर्व मेयर वेन-जे पर अपने कार्यकाल के दौरान रिश्वत लेने का आरोप है। उन पर राजनीतिक चंदे की रकम में हेराफेरी करने का भी आरोप है। इन सभी आरोपों में दोषी पाए जाने पर उन्हें संभवतः 28.5 वर्ष की जेल हो सकती है।

ताइपे में कोर पैसिफिक सिटी समूह से संबंधी विकास कार्य इन आरोपों का कारण बने। अभियोजकों का कहना है कि वेन-जे ने रिश्वत के बदले में कंपनी को शहर में निर्माण संबंधी नियमों से छूट दी। वेन-जे ने रिश्वत और भ्रष्टाचार के इन आरोपों से इनकार किया है। वेन-जे पूर्व में एक चिकित्सक भी रहे हैं। वह 2014 में ताइपे के मेयर पद की दौड़ में जीत दर्ज कर राजनीतिक परिदृश्य में उभरे। उन्होंने 2014 से 2022 तक दो कार्यकाल पूरे किए।

श्रीलंका में सुनामी के दो दशक पूरे होने पर दो मिनट का मौन रखा

» कोलंबो, भाषा।

श्रीलंका में भीषण तबाही मचाने वाली सुनामी के 20 साल पूरे होने पर बृहस्पतिवार को दो मिनट का मौन रखा गया। इस सुनामी में द्वीपीय देश के 30,000 से अधिक लोग मारे गए थे। श्रीलंका 26 दिसंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। मुख्य स्मृति समारोह दक्षिणी प्रांत कोलंबो से लगभग 90 किलोमीटर दूर पेरालिए में आयोजित किया गया, जहां सुनामी के कारण हुई दुनिया की सबसे भीषण रेल त्रासदी में 3,000 से अधिक लोग मारे गए थे। यह सुनामी 9.1 तीव्रता के भूकंप से आई थी और इसे सबसे पहले द्वीप के पूर्वी तट पर महसूस किया गया। इसके बाद यह दक्षिण की ओर बढ़ी और इससे बड़े पैमाने पर तबाही हुई। कोलंबो से दक्षिणी शहर मटारा जा रही ट्रेन 26 दिसंबर, 2004 को सुबह 9:25 बजे सुनामी की तेज लहरों की चपेट में आ गई और कुछ ही समय में ट्रेन और उसकी पटरियां क्षतिग्रस्त हो गईं और उसमें सवार सभी लोग मारे गए।

स्थानीय बौद्ध मंदिर के प्रमुख और अब पीड़ितों की याद में बनाए गए स्मारक के रखरखाव के लिए बोर्ड के प्रभारी परालिए विमाला ने कहा यह दुनिया की सबसे बड़ी रेल दुर्घटना थी, जिसमें 3,000 से अधिक लोग मारे गए। रेवरेंड विमला ने कहा कि गांव के 3,000 से अधिक सुनामी पीड़ितों को स्मारक के दोनों ओर स्थित तीन सामूहिक कब्रों में दफनाया गया था। बृहस्पतिवार सुबह 9.25 बजे ट्रेन उसी जगह पर रुकी जहां 20 साल पहले सुनामी की लहरें आई थीं। कुछ पीड़ितों के रिश्तेदार पास के स्मारक पर श्रद्धांजलि देने के लिए फूल लेकर जाते देखे गए। इस त्रासदी में अपने ससुर और छह साल की भतीजी को खोने वाली तुशांति जयानी ने कहा मैं इसके बारे में बात नहीं करना चाहती, 20 साल बाद भी यह बहुत दुखद है।

इंडोनेशिया: हिंद महासागर में 20 साल पहले आई सुनामी में मारे गए लोगों की याद में प्रार्थनाएं की गईं

बंदा असेह (इंडोनेशिया)। हिंद महासागर में 20 साल पहले आई सुनामी में मारे गए व्यक्तियों की याद में इंडोनेशिया के असेह प्रांत में बृहस्पतिवार को लोगों ने सामूहिक कब्रों पर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी और शोक प्रकट किया। उली लहुए गांव में सामूहिक कब्र पर काफी संख्या में लोग पहुंचे, जहां 14,000 से अधिक अज्ञात लोगों के शवों को दफनाया गया था। यह इंडोनेशिया के असेह प्रांत की राजधानी बंदा असेह में मौजूद सामूहिक कब्रों में से एक है। सुनामी ने यहां सबसे ज्यादा तबाही मचाई थी। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के तट पर 26 दिसंबर, 2004 को 9.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था, जिसके बाद आई सुनामी में 12 से अधिक देशों में करीब 2,30,000 लोगों की जान चली गई थी। अकेले इंडोनेशिया में।,70,000 से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसका असर पूर्वी अफ्रीका तक देखा गया था और करीब 17 लाख लोग बेघर हो गए थे। सुनामी के प्रभाव से इंडोनेशिया, श्रीलंका, भारत और थाईलैंड में सबसे ज्यादा लोग बेघर हुए थे।

शिकागो से माउई पहुंचे विमान के व्हील वेल में शव मिला

» काहुलुई (हवाई), भाषा।

शिकागो से हवाई के माउई द्वीप में पहुंचे एक विमान के व्हील वेल में शव मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है। विमानन कंपनी और पुलिस विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। व्हील वेल विमान के नीचे की ओर बनी वह खाली जगह होती जिसमें विमान के पहिए उड़ान भरने के बाद बंद होकर पहुंचते हैं।

विमानन कंपनी यूनाइटेड एयरलाइंस ने ईमेल से भेजे एक बयान में बताया कि शिकागो से मंगलवार को काहुलुई हवाई अड्डे पर पहुंची उड़ान संख्या-202 के व्हील वेल में शव मिला। विमानन कंपनी ने बताया कि बोइंग 787-10 के व्हील वेल में केवल विमान के बाहर से ही पहुंचना संभव है और यह स्पष्ट नहीं है कि वह व्यक्ति इसमें कैसे पहुंचा होगा। माउई पुलिस ने ईमेल से भेजे बयान में कहा कि वह विमान के व्हील वेल में शव मिलने के मामले की गहन जांच कर रही है।

जापान एयरलाइंस पर साइबर हमला | 2023 से साइबर हमलों का लगातार सामना करना पड़ा : जापान की अंतरिक्ष एजेंसी

साल के अंत में छुट्टियों के मौसम में उड़ानों में देरी

» तोक्यो, भाषा।

जापान एयरलाइंस (जेएएल) ने कहा कि बृहस्पतिवार को उस पर साइबर हमला होने के कारण उसकी 20 से ज्यादा घरेलू उड़ानों में देरी हुई, लेकिन उसने कुछ घंटों बाद अपने सिस्टम को बहाल कर लिया तथा उड़ान सुरक्षा पर भी कोई असर नहीं पड़ा।जेएएल ने कहा कि समस्या बृहस्पतिवार की सुबह तब शुरू हुई जब कंपनी के आंतरिक और बाहरी सिस्टम को जोड़ने वाले नेटवर्क में खराबी आने लगी। एयरलाइन ने कहा कि उसने इसका कारण यह पता लगाया कि यह हमला नेटवर्क सिस्टम को डेटा के बड़े पैमाने पर प्रसारण से बाधित करने के उद्देश्य से किया गया था। इस तरह के हमले सिस्टम या नेटवर्क को तब तक बेहद व्यस्त कर देते हैं।

जब तक कि लक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिल जाती या सिस्टम क्रैश नहीं हो जाता। जेएएल ने कहा कि इस हमले में कोई वायरस शामिल नहीं था और न ही इससे ग्राहकों का कोई डेटा लीक हुआ। उसने कहा कि सुबह तक साइबर हमले के कारण 24 घरेलू उड़ानों में 30 मिनट से ज़्यादा देरी हुई। विशेषज्ञों ने जापान की साइबर सुरक्षा की कमज़ोरी के बारे में बार-बार चिंता जताई है, ख़ास तौर पर तब जब देश अपनी रक्षा क्षमताओं को बढ़ा रहा है और अमेरिका तथा अन्य भागीदारों के साथ मिलकर काम कर रहा है, जहाँ साइबर सुरक्षा बहुत ज़्यादा कड़ी है। जापान ने कदम उठाए हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि और काम करने की ज़रूरत है। जून में, जापान की अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि उसे 2023 से साइबर हमलों का लगातार सामना करना पड़ा है, हालांकि रॉकेट, उपग्रहों और रक्षा से संबंधित संवेदनशील जानकारी प्रभावित नहीं हुई है। एजेंसी निवारक उपाय करने के लिए जांच कर रही है। पिछले साल, एक साइबर हमले ने नागोया शहर के एक बंदरगाह पर एक कंटेनर टर्मिनल पर तीन दिनों तक परिचालन को ठप कर दिया था। बृहस्पतिवार को प्रस्थान करने वाली घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों उड़ानों के लिए जेएएल की टिकट बिक्री अस्थाई रूप से रोक दी गई थी, लेकिन बाद में यह फिर से शुरू हो गई। मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने बृहस्पतिवार को एक नियमित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि परिवहन मंत्रालय ने जेएएल को सिस्टम को बहाल करने और प्रभावित यात्रियों को समायोजित करने के प्रयासों में तेजी लाने के लिए कहा है। टेलीविजन फुटेज में तोक्यो के हानेडा हवाई अड्डे पर कई यात्री टर्मिनलों में भीड़ दिखी, क्योंकि यह हमला साल के अंत में छुट्टियों के मौसम में हुआ। नए साल की छुट्टियों के लिए इस सप्ताहांत से कार्यालय बंद हो जाएंगे।

मशहूर उपन्यासकार बापसी सिधवा का छियासी साल की उम्र में निधन

» ह्यूस्टन (अमेरिका), भाषा।

दक्षिण एशिया की प्रख्यात उपन्यासकार बापसी सिधवा का अमेरिका के ह्यूस्टन में बुधवार को निधन हो गया। वह 86 साल की थीं। सिधवा के भाई फिरोज भंडारा ने बताया कि ह्यूस्टन में अंतिम संस्कार से पहले लेखिका का शव तीन दिनों तक अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा, जिस दौरान कई श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की जाएंगी। कराची के एक प्रतिष्ठित पारसी परिवार में 11 अगस्त 1938 को पैदा हुईं सिधवा जन्म के कुछ समय बाद ही लाहौर चली गईं, जहां उन्होंने अपना अधिकांश जीवन बिताया। उन्हें पाकिस्तान की सबसे प्रभावशाली लेखिकाओं में से एक माना जाता है। उनकी रचनाओं को इतिहास और संस्कृति के जीवंत चित्रण के लिए वैश्विक स्तर पर प्रशंसा मिली। सिधवा के सबसे लोकप्रिय उपन्यास आइस कैंडी मैन में 1947 के भारत-पाक बंटवारे की भयावहता को दर्शाया गया है।

बाद में भारतीय-कनाडाई फिल्म निर्माता दीपा मेहता ने इस उपन्यास पर आधारित फिल्म अर्थ बनाई, जिसे समीक्षकों की खूब वाहवाही मिली। अर्थ में पोलियो से संक्रमित एक बच्ची को 1947 के भारत-पाकिस्तान बंटवारे की भयावहता को महसूस करते दिखाया गया था। सिधवा खुद बचपन में इस मंजर की गवाह रही थीं। आइस कैंडी मैन को बीबीसी के 100 सबसे प्रभावशाली उपन्यासों की सूची में जगह दी गई थी। सिधवा के पहले उपन्यास द क्रो ईटर्स ने भी पारसी जीवन और इतिहास के जीवंत चित्रण के लिए उन्हें व्यापक पहचान दिलाई थी। क्रैकिंग इंडिया , एन अमेरिकन ब्रैट , द पाकिस्तानी ब्राइड और वॉटर उनके अन्य लोकप्रिय उपन्यास थे। साहित्य में उल्लेखनीय योगदान के लिए सिधवा को पाकिस्तान के प्रतिष्ठित सितारा-ए-इम्तियाज से नवाजा गया था।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,